ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 339 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 जून 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
33 अधिकतम
26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कश्मीर के चिनाब ब्रिज का मोदी ने किया लोकार्पण

दुनिया का सबसे ऊंचा पुल, आतंकियों पर भी रखेगा निगाह

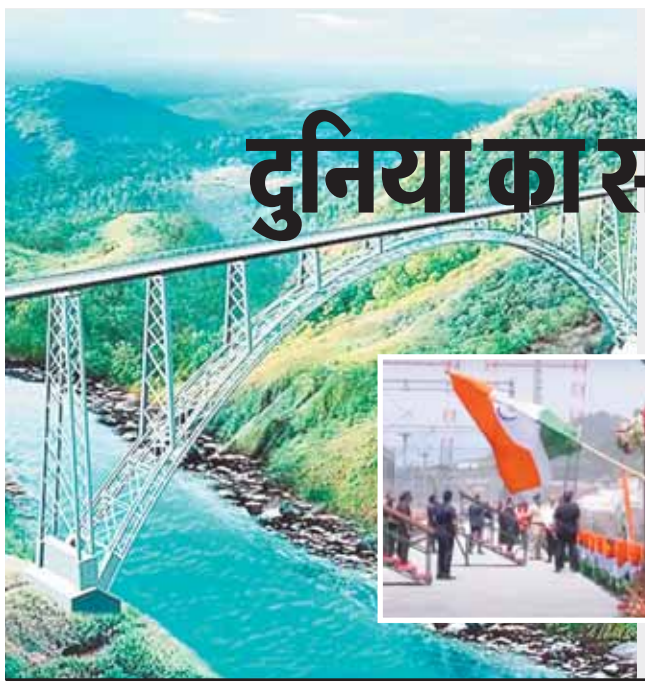

श्रीनगर, एजेंसी।
नदी के तल से 359 मीटर ऊंचा चिनाब रेल पुल आज लोकार्पित हो गया। दुनिया का सबसे ऊंचा पुल पेरिस के एफिल टावर से 35 मीटर ज्यादा ऊंचा है। 1,315 मीटर लंबा यह पुल रेल लाइन का अहम हिस्सा है, जो भारतीय इंजीनियरिंग में मील का पत्थर है। आज पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा इसके उदघाटन के साथ ही कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच संपर्क और भी बेहतर हो गया। अब लोग आसानी से आ-जा सकेंगे और व्यापार भी बढ़ेगा। सबसे खास यह कि इस पुल के बनने से पीर पंजाल क्षेत्र में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों का नेटवर्क टूटेगा। इसी दर्रे से ये आतंकी कश्मीर घाटी में घुसा करते थे। पहलगाम हमले के बाद आतंकी इसी श्रेणी के जंगलों में भाग गए थे।

260 किमी प्रतिघंटा रफ्तार की हवा झेलेगा

■ यह पुल भूकंपीय क्षेत्र पांच में मौजूद है व दो पहाड़ों के बीच बना है, जहां तेज हवाओं की वजह से विंड टनल फिनोमेना देखा जाता है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए, ब्रिज 260 किलोमीटर प्रति घंटा हवा की स्पीड झेल सके, इस तरह से डिजाइन किया गया है। इसे एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर ने बनाया है जो प्रमुख कंस्ट्रक्शन और इंजीनियरिंग कंपनी है। यह शापूरजी पलोनजी ग्रुप का हिस्सा है। कोलकाता की ईस्ट-वेस्ट अंडरवाटर मेट्रो का निर्माण इसी ने किया है।

श्रेय.. उनका मुकाबला नहीं : कांग्रेस

■ कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि यह योजना कांग्रेस पीएम नरसिंहराव सरकार के वक्त मंजूर हुई, फिर अटलजी के पीएम रहते राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा मिला। इसके 160 किमी ट्रेक का उद्घाटन 2014 के पहले हो गया। लिहाजा कांग्रेस अब प्रधानमंत्री मोदी को याद दिलाना चाहती है कि उन्हें शासन में निरंतरता को स्वीकारना चाहिए। इससे पहले की सरकारों ने भी काम किए गए हैं, पर प्रधानमंत्री उनका श्रेय लेने में भी बहुत आगे हैं। इसमें उनका कोई मुकाबला नहीं है।'

आरबीआई ने रेपो रेट कट में 50 बेसिस पाइंट की कटौती का ऐलान किया

आरबीआई का बंपर रेट कट, अब बचेंगे पैसे लोन सस्ते EMI कम

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समिति ने तीन दिन के मंथन के बाद आज सुबह नए ऐलान किये और एक बार फिर बड़ी राहत दी है। बैंक ने लगातार तीसरी बार रेपो रेट में कटौती की है और इसे सीधे 50 बेसिस पॉइंट घटा दिया है। इस ताजा कटौती के बाद अब रेपो रेट 6 फीसदी से नीचे 5.50% पर आ गया है। इससे पिछली दो एमपीसी बैठकों में भी ब्याज दरें 25-25 बेसिस पॉइंट घटाई गई थीं। बैंक लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए यह बड़ी और बेहतर खबर की तरह है। उनकी ईएमआई अब और भी कम हो जाएगी। रेपो रेट का सीधा कनेक्शन बैंक लोन लेने वाले ग्राहकों से होता है। इसके कम होने से लोन की ईएमआई घट जाती है और इसमें इजाफा होने से ये बढ़ जाती है। उल्लेखनीय है कि रेपो रेट वह दर है जिस पर किसी देश का केंद्रीय बैंक धन की किसी भी कमी की स्थिति में वाणिज्यिक बैंकों को पैसा उधार देता है। रेपो रेट का उपयोग मौद्रिक अधिकारियों द्वारा इंफ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।

गौरतलब है कि आरबीआई एमपीसी की बैठक बीते 4 जून को शुरू हुई थी और आज इसके नतीजों का ऐलान किया गया। ताजा रेपो रेट कट से पहले भी फरवरी में रेपो रेट 0.25 फीसदी घटाया गया था, फिर अप्रैल में हुई बैठक में एक बार फिर 25 बेसिस पॉइंट की कटौती कर इसे 6% कर दिया गया था और अब रिजर्व बैंक ने हैट्रिक लगाकर लोन लेने वाले ग्राहकों को तोहफा दिया है। माना जाता है कि लोगों के पास जब पैसे बचेंगे तो अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। इसके साथ ही बैंक भी हाउसिंग और ऑटो जैसे लोन्स पर अपनी ब्याज दरें कम कर सकते हैं। वहीं ब्याज दरें कम होंगी तो हाउसिंग डिमांड बढ़ेगी। ज्यादा लोग रियल एस्टेट में निवेश कर सकेंगे। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को बूस्ट मिलेगा। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैठक में लिए गए फैसलों की आज जानकारी दी। खास बात यह है कि अधिकांश अर्थशास्त्रियों रेपो रेट में 25 बीपीएस की कटौती का अनुमान लगाया था। अर्थशास्त्रियों का कहना था कि विकास की गति धीमी है और महंगाई भी काबू में है। ऐसे में आरबीआई के पास मौद्रिक नीति को और आसान बनाने का मौका है। भारत की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 2024 में 6.5% रही जबकि पिछले साल यह 9.2% थी।

यह है रेट कट की वजहें

■ दरअसल, इस साल मॉनसून अच्छा रहने की उम्मीद है और कच्चे तेल की कीमतें भी कम हैं। मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान है कि मॉनसून लंबी अवधि के औसत का 106% रहेगा। इससे खरीफ की फसल अच्छी होगी, गांवों में मांग बढ़ेगी और खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी काबू में रहेगी। कच्चे तेल की कीमतें इस वित्त वर्ष में औसतन 65-70 प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के 78.8 से कम है।

2.5 लाख करोड़ सिस्टम में आएंगे

■ गौरतलब है ताजा कटौती के बाद बीस साल के लिए लिए गए 20 लाख के लोन पर ही करीब डेढ लाख रुपये तक फायदा मिल सकेगा। इसका लाभ नए और मौजूदा ग्राहकों दोनों को मिलेगा। बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि कैश रिजर्व रेश्यो में 1त्न की कटौती करके इसे 4.त्न से घटाकर 3.त्न करने का फ़ैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमारे इस कदम से 2.5 लाख करोड़ रूपये फाइनेंशियल सिस्टम में आएंगे। ज्ञात हो कि सीआरआर वह पैसा है जो बैंकों को अपने कुल जमा का एक हिस्सा रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के पास रखना होता है। इससे आरबीआई ये कंट्रोल करता है कि बाजार में कितना पैसा रहेगा। अगर सीआरआर कम होता है, तो बैंकों के पास लोन देने के लिए ज्यादा पैसा बचता है, जैसे इस बार 1त्न की कटौती से 2.5 लाख करोड़ रुपए सिस्टम में आएंगे।

बेंगलुरू भगदड़ कांड

आरसीबी अफसर को पुलिस ने एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया

बेंगलुरु, एजेंसी।

दो दिन पहले चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ और मौतों के मामले में पुलिस ने आज आईपीएल की विजेता टीम आरसीबी के सीनियर मार्केटिंग ऑफिसर निखिल सोसाले को एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। निखिल मुंबई भागने की तैयारी में था। वहीं, क्यूब्बन पार्क थाना पुलिस ने इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के तीन अधिकारियों को भी हिरासत में लिया है। इन अधिकारियों की पहचान किरण, सुमंथ और सुनील मैथ्यू के रूप में हुई है। क्यूब्बन पार्क थाने में एससीपी प्रकाश इनसे पूछताछ कर रहे हैं। वहीं कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के दो अधिकारी- सचिव शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम फरार हैं। पुलिस ने बताया कि ये दोनों अपने घरों पर नहीं मिले और उन्हें पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।इससे पहले सीएम सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर दयानंद समेत 8 अफसरों को सस्पेंड किया था। दयानंद की जगह सीमंत कुमार सिंह को नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर,थाना प्रभारी, सेंट्रल डिवीजन, क्रिकेट स्टेडियम प्रभारी, स्टेशन हाउस मास्टर, स्टेशन हाउस ऑफिसर भी निलंबित हुए हैं।

रानीगंज में रिश्ता तय

71 की उम्र में ब्याह, कैनालमैन को चाहिए मांझी की मंजूरी

गया। बिहार के 'कैनाल मैन' लौंगी भुइयां 71 साल की उम्र में दूसरी शादी करने की तैयारी कर रहे हैं। लौंगी भुइयां अकेले 3 किलोमीटर लंबी नहर बनाकर मशहूर हुए थे। उनकी पहली पत्नी का 2 साल पहले निधन हो चुका है। अकेलेपन से परेशान लौंगी भुइयां जीवनसाथी चाहते हैं। मगर वे बिहार नेता केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी से अनुमति लेना चाहते हैं, क्योंकि वे क्षेत्र के सांसद हैं। उधर लोग भुइयां को दूसरा दशरथ मांझी मानते हैं। जिन्होंने पहाड़ काटकर गांव तक पानी पहुंचाया था। उन्होंने बताया कि उनका रिश्ता रानीगंज की एक महिला से लगभग तय हो गया है।

उज्जैन में कई कार्यक्रम भी

यादव आज केंद्रीय मंत्री प्रधान के साथ रतलाम दौरे पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश के मुयमंत्री डॉ मोहन यादव और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आज रतलाम जिले के आलोट में सांदीपनी विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। डॉ यादव और प्रधान रतलाम के ग्राम खामरिया में पीएम स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्रावास, स्टाफ आवास का लोकार्पण करेंगे। दोपहर को ही वे उज्जैन से रतलाम के आलोट जाएंगे, जहां वे सांदीपनि विद्यालय आलोट के लोकार्पण और पीएम श्री स्कूल जवाहरलाल नवोदय विद्यालय ग्राम खामरिया में छात्रावास, स्टाफ आवास के लोकार्पण समारोह में प्रधान के साथ शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव उज्जैन शिप्रा तट पर झालरिया मठ में श्रीमद् विश्वकर्मा महापुराण कथा के कार्यक्रम में शामिल हुए।

गुगनानी की किताब पर फिल्म बनाएंगी कंगना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांस्टीट्यूशन क्लब में मप्र के लेखक डॉ.प्रवीण दाताराम गुगनानी की पुस्तक 'जय-जय जयतु अहिल्या बाई' के विमोचन अवसर पर सांसद व अभिनेत्री कंगना रानौत ने कहा कि अहिल्या बाई पर लिखित इस पुस्तक को पढ़कर मुझे उनके जीवन के अनछुए अध्याय पता चले हैं। इस पुस्तक में

लिखी कथाओं पर मैं शीघ्र ही देवी अहिल्या पर एक फ़िल्म का निर्माण करूँगी। इस आयोजन में शिक्षा उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव एवं वरिष्ठ प्रचारक अतुलभाई कोठारी, संघ की केंद्रीय प्रचार टोली एवं विमर्श के संयोजक, वरिष्ठ प्रचारक मुकुल कानिटकर, मप्र के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद थे। विजयवर्गीय ने कहा कि-केवल मालवा ही नहीं समूचा देश अहिल्या बाई का ऋणी है। वे महान अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, योद्धा होनें के साथ साथ अनेकों हिंदू मंदिरों की उद्धारक व निर्माता थीं।

मेट्रो एंकर | एक अरबपति ने पुराने अरबपति की करतूतों से ट्रंप पर साधा निशाना

दो दोस्तों में अदावत के बाद धमाकेदार राज बाहर, ट्रंप का एपस्टिन फाइल्स व लोलिता एक्सप्रेस कनेक्शन!

वाशिंगटन, एजेंसी।

एक राष्ट्रपति और एक पूंजीपति की दोस्ती में दरार क्या आई अतीत के पन्नों में दबे कुछ राज छन-छन कर बाहर आने लगे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे धनवानएलॉन मस्क के बीच ऐसी कड़वाहट हुई कि मस्क अपने मित्र के जवानी के दिनों के राज को सार्वजनिक करने लग गये हैं। मस्क ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का नाम जेफरी एपस्टिन फाइल्स में है। ये फाइल्स 'अति गोपनीय' फाइलों की कैटेगरी में आते हैं और अब तक इसे 'डिक्लासिफाई' नहीं किया गया है। दरअल जेफरी एपस्टिन फाइल्स में ट्रंप का नाम आना एक बड़ा धमाका है। मस्क ने खुद लिखा है कि बड़ा बम गिराने का समय आ गया है। एपस्टिन अमेरिका का एक अरबपति फाइनेंसर था। अकूत दौलत के दम पर इस शख्स ने दुनिया के अमीरों के साथ रिश्ते बनाए। रिश्तों के इस सर्किल में डोनाल्ड ट्रंप का भी नाम है। एपस्टिन ने सेक्स क्राइम की काली दुनिया में भी घुसपैठ की, उस पर सेक्स ट्रैफिकिंग के भी आरोप लगे। 05 में एक 14 वर्षीय लड़की के शोषण की शिकायत के बाद जांच शुरू हुई, जिसमें 36 नाबालिग पीड़िताओं की पहचान हुई। 08 में उन्हें वेश्यावृत्ति से संबंधित दो आरोपों में दोषी ठहराया गया और 13 महीने की जेल मिली लेकिन सुनवाई से पहले उनकी जेल में मृत्यु हो गई, जिसे आधिकारिक तौर पर आत्महत्या बताया गया।

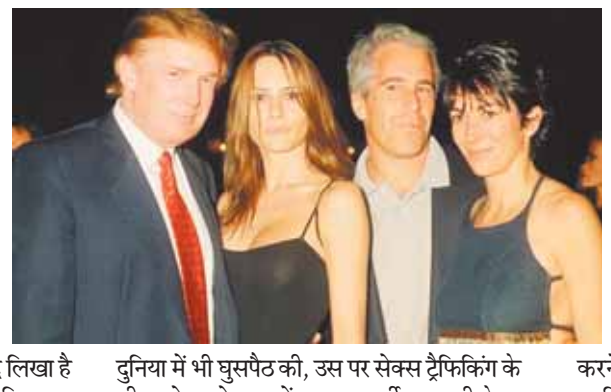

प्राइवेट आईलैंड और लोलिता एक्सप्रेस!

जेफरी एपस्टिन अथाह दौलत का स्वामी था। उसने अमेरिका में प्राइवेट आईलैंड खरीद रखे थे। उसकी अपनी जेट थी। इस पर अमेरिका के प्रभावशाली व्यक्ति सवार होकर उसके निजी द्वीप में पहुंचते थे और पार्टियां करते थे। एपस्टीन को यूएस वर्जिन आइलैंड्स में अपने द्वीप, लिटिल सेंट जेम्स पर मशहूर लोगों का मनोरंजन करने के लिए जाना जाता था अमेरिका में जेफरी एपस्टिन के इस निजी जेट विमान को पार्टी सर्किल में 'लोलिता एक्सप्रेस' कहा जाता था।

ट्रंप को हटाकर वेंस को राष्ट्रपति बनाया जाए : इलॉन मस्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कभी उनके करीबी रहे अरबपति व टेस्ला चीफ इलॉन मस्क के बीच लड़ाई इतनी बढ़ गई कि आज मस्क ने ट्रंप पर महाभियोग लगाने की मांग कर दी। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए। वहीं, ट्रम्प ने मस्क की कंपनियों के सरकारी ठेके और सब्सिडी खत्म करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि मस्क पूरी तरह से पागल हो चुके हैं।

बकरीद कल, बोहरा समाज ने मनाई ईद

मुस्लिम समाज कल शनिवार को बकरीद का पर्व मनाएगा। जिसको लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। राजधानी भोपाल कई कई जगहों पर बकरों का मार्केट लगा रहा और कुर्बानी देने के लिए खरीददारों की भी भारी भीड़ देखी गई।

अलीगंज स्थित बोहरा समाज मस्जिद में आज बोहरा समाज ने ईद की नमाज अदा की और एक दूसरों को ईद की बधाई दी। फोटो निर्मल व्यास

आदमपुर खंती में किया जाएगा प्लांट

कुर्बानी के अवशेष इकट्ठा करेंगी नगर निगम की टीमें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में ईदुल अजहा (बकरीद) कल 7 जून शनिवार को मनेगी। इसके बाद 3 दिन तक कुर्बानी का सिलसिला चलेगी। नगर निगम कुर्बानी के अवशेष इकट्?ठा करेगा। जिसे आदमपुर खंती में बने रेंडरिंग प्लांट पर ले जाया जाएगा। जहां मुर्गी, बिल्लियों के लिए दाने बनाए जाएंगे।

नगर निगम ने सभी 21 जोन के लिए टीमें भी बनाई है। सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे सभी 85 वार्डों में गाड़ियां चलाकर कुर्बानी के अवशेष को इकट्?ठा करें। वहीं, उनके मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं। इसे लेकर गुरुवार को महापौर मालती राय ने ईद और स्वच्छता विषय पर बैठक भी की। ऐसा पहली बार होगा, जब रेंडरिंग प्लांट में सारा वेस्ट जाएगा और फिर इससे मुर्गी-बिल्लियों के लिए दाने बनाए जाएंगे।डरिंग प्लांट में पशुओं के शव या मांस के अपशिष्ट को इकट्ठा किया जाता है। इनमें खाल, चर्बी, हड्डी भी शामिल हैं। प्लांट में शव को छोटे टुकड़ों में काटा जाता है और फिर उच्च तापमान पर पकाया जाता है। सारी प्रोसेस पूरी करने के बाद जानवरों के लिए दाने तैयार किए जाते हैं।

गली-मोहल्लों में जाकर मीटिंग भी कर रहा निगम

कुर्बानी के अवशेषों को इकट्?ठा करने के लिए तीन दिन नगर निगम की गाड़ियां वार्डों में पहुंचेंगी। ताकि, अवशेष को खुले या सार्वजनिक स्थानों पर न फेंका जाए। इसके लिए निगमकर्मी गली-मोहल्लों में जाकर बैठकें भी कर रहे हैं।

पांच मंजिला भवन भी बना पर मार्डन कार्डियक यूनिट का प्रोजेक्ट रद्द

जेपी में बन रही स्पेशल बिल्डिंग भी हुई 'जनरल'

लेटलतीफी का सीधा खामियाजा दिल के मरीजों को भुगतना पड़ेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में नए इलाके की आबादी का सबसे बडा सरकारी चिकित्सा केंद्र जेपी अस्पताल का बहुप्रतीक्षित 5 मंजिला नया भवन इस महीने की तीस तारीख को अस्पताल प्रशासन को सौंपा जाना तय हो गया है लेकिन अभी इसकी उम्मीद इसलिये पुख्ता नहीं क्योंकि यह तीसरी बार है जब डेडलाइन तय की गई है, और कहा जा रहा है कि एक बार फिर, यह भवन अधूरा ही मिलने वाला है। इस लेटलतीफी का सीधा खामियाजा उन दिल के मरीजों को भुगतना पड़ेगा जिन्हें सरकारी इलाज की सबसे ज़्यादा ज़रूरत है। वहीं स्वास्थ्य महकमे ने अस्पताल में बनने वाली मॉडर्न कार्डियक यूनिट के पूरे प्रोजेक्ट को ही रद्द कर दिया है। जबकि 2023 में विभाग ने जेपी अस्पताल में 30 बेड की एक एडवांस कार्डियक यूनिट बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया था। इसे अप्रैल 2024 तक शुरू किया जाना था, लेकिन बार-बार प्रोजेक्ट में देरी होती गई और इसके साथ ही इसकी लागत भी बढ़ती गई। इस बेहिसाब देरी और लागत वृद्धि का नतीजा यह हुआ कि कैथलैब (दिल से जुड़े ऑपरेशनों के लिए एक विशेष ऑपरेशन थिएटर) के लिए जरूरी मशीनों का टेंडर खुलने के बाद भी, इस पूरे प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया गया।

कार्डियक यूनिट की बिल्डिंग बनी, मशीनें भी तय...

जानकारी के मुताबिक इस यूनिट में मॉडर्न कैथ लैब के साथ-साथ दिल की जटिल सर्जरी के लिए जरूरी सभी उपकरण होने का दावा किया गया था, लेकिन अब यह सब खत्म सा लग रहा है। इस प्रोजेक्ट के रद्द होने से सबसे ज़्यादा असर गरीब और जरूरतमंद मरीजों पर होगा। दिल से जुड़ी जांचें और ऑपरेशन, जो सरकारी अस्पताल में बेहद कम या मुफ्त में होते हैं, अब उन्हें निजी अस्पतालों में लाखों रुपए खर्च करके करवाने पड़ेंगे।

कार्डियक यूनिट की बिल्डिंग बनी, मशीनें भी तय...

बताया जाता है कि सरकार ने तकनीकी कारण बताकर यहां बनने वाली बहुप्रतीक्षित सुपर स्पेशलिटी कार्डियक यूनिट का कैथलैब टेंडर निरस्त किया है। यह वही यूनिट थी, जिसके लिए नए अस्पताल भवन के दो फ्लोर का ब्लॉक तैयार किया है। बावजूद अब यहां एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की सुविधा शुरू नहीं हो पाएगी। ओपन हार्ट सर्जरी के लिए जो ऑपरेशन थिएटर बना है, वहां सामान्य ऑपरेशन होंगे। 50 बेड के कार्डियक आईसीयू की जगह सामान्य आईसीयू के मरीज रहेंगे। वहीं ट्रेडमिल, ईको, कलर डॉप्लर जैसे एडवांस्ड टेस्ट भी नहीं हो पाएंगे। उल्लेखनीय है कि डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने जनवरी में कहा था कि जेपी हॉस्पिटल में मार्च 2025 तक कैथ लैब और हृदय उपचार संबंधी सुविधाओं का कार्य पूरा कर लिया जाएगा तथा 100 बिस्तरों की हृदय उपचार यूनिट स्थापित की जाएगी।

एम्स और हमीदिया से कम नहीं होगा दबाव

अभी भोपाल में इस वक्त सिर्फ एम्स और हमीदिया ही ऐसे अस्पताल हैं जहां कार्डियक यूनिट है। लेकिन दोनों ही अस्पतालों की हालत यह है कि एक-एक मरीज को ओपीडी में घंटों लाइन में लगना पड़ता है। जेपी में अब यूनिट न बनने से हजारों हार्ट पेशेंट्स को निजी अस्पतालों का रुख करना होगा, जहां इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। हालांकि जेपी की कार्डियक यूनिट का प्रोजेक्ट बिना कोई ठोस कारण निरस्त करना सवालिया घेरे में है। अभी जेपी अस्पताल में 400 बेड हैं, और नए भवन के शुरू होने के बाद 240 और बेड जुड़ जाते। इससे कुल संख्या 640 हो सकती थी। हालांकि कहा जा रहा है कि संभव है कि सरकार की तरफ से कोई फिर इसके लिये नया प्रोजेक्ट लाया जाए।

शुद्धता परीक्षण शिविरों का आयोजन,

कल से सांची करेगा दूध का दूध पानी का पानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के अधीन आ चुके मप्र स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन का उत्पाद सांची अपनी गुणवत्ता प्रामाणिकता को साबित करने केलिये कल से मैदान में उतर रहा है। संघ के सीईओ प्रतीश जोशी के निर्देशन में %दूध का दूध और पानी का पानी% अभियान 7 जून से शुरू होगा। इस दौरान सांची ब्राण्ड के दूध और दुग्ध उत्पादों की शुद्धता की जांच उपभोक्ताओं के सामने होगी। ताकि उपभोक्ता जान सकें कि सांची दूध और अन्य उत्पाद कितने शुद्ध हैं।

कल शनिवार को पहले दिन राजधानी में फॉर्चून सिग्नेचर सोसाइटी और इंडस गार्डन, रोहित नगर में तथा रविवार 8 जून को आकृति इकोसिटी रोहित नगर में इसका शिविर होगा। इसके बाद अलग तारीखों पर साकेत नगर कटारा, सागर रायवेला, स्प्रिंग वैली, अमृत नगर, सेवाए कांप्लेक्स गुलमोहर, नीरज नगर से लेकर सर्वधर्म कॉलोनी, लालघाटी, संजीव नगर, कोहेफिजा, पुलिस कंट्रोल रूम और गिरधर परिसर में भी यह अभियान संचालित किया जाएगा।

उपभोक्ताओं तक चल प्रयोगशाला लेकर पहुंचेगा अमला

ऐसे होगी जांच

अभियान में सांची दूध और दुग्ध उत्पाद जैसे घी, पनीर एवं दही का परीक्षण चल प्रयोगशाला के माध्यम से उपभोक्ताओं के समक्ष होगा। जांचों में दूध में फैट, एसएनएफ, प्रोटीन, लैक्टोज, पानी, यूरिया, सुक्रोज, ग्लूकोस, नमक, वेजिटेबल स्टार्च, न्यूट्रलाइजर, ऑयल तथा अमोनियम सल्फेट की संदिग्धता की जांच की जाएगी। पनीर में स्टार्च तथा दही में स्टार्च, ग्लूकोज, सुक्रोज, यूरिया एवं माल्टीज की संदिग्धता का भी परीक्षण होगा व घी गुणवत्ता की जानकारी भी उपभोक्ताओं को तत्काल मिलेगी, यदि घी संदिग्ध मिला तो विस्तृत रिपोर्ट 48 घंटे में व्हाट्सएप पर उपभोक्ता को मिलेगी।

इंटरसिटी में जोड़े तीन कोच

अब इटारसी से होकर चल रही पुणे-दानापुर समर स्पेशल ट्रेन

भोपाल। पश्चिम रेलवे ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से जबलपुर के आधारताल तक चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस में तीन कोच स्थाई रूप से लगा दिए है। इसमें 2 स्लीपर और 1 थर्ड एसी कोच है। अब यह ट्रेन 2 थर्ड एसी, 2 चेयरकार एसी, 9 स्लीपर, 8 जनरल एवं 2 ब्रेकवान सहित कुल 23 कोचों के साथ चल रही है। पहले से ज्यादा यात्रियों को फायदा हो रहा है।

उक्त ट्रेन दोनों दिशाओं में रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, गाडरवारा, करेली, नरसिंहपुर, श्रीधाम, मदन महल, जबलपुर, आधारताल स्टेशन पर ठहराव लेती है।

वहीं इटारसी के रास्ते दानापुर से पुणे के बीच रेलवे बोर्ड ने एक स्पेशल समर ट्रे चलवा रहा है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दो–दो ट्रिप चलाने का निर्णय लिया है। यह इटारसी के अलावा जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर भी ठहराव ले रही है।

भाभा विवि से एमटेक पासआउट निधि का पीएससी में चयन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाभा विश्वविद्यालय की एम.टेक वीएलएसआई पासआउट छात्रा निधि शुक्ला को एमपीपीएससी परीक्षा के माध्यम से सहायक निदेशक के रूप में चुना गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के सीईओ श्रीप्रसाद पिल्लई कुलगुरु एनके अग्रवाल कुल सचिव श्याम पाटकर अशोक झाला सुरेश गावंडे ने निधि शुक्ला को शुभकामनाएं प्रेषित की।

बोरवन पार्क में भाजपाइयों ने किया पौधारोपण

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भाजपा संतनगर मंडल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय उपवन में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। भाजपाइयों ने पौधे रोपकर हरियाली का संकल्प दोहराया। जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने पर्यावरण सबकी चिंता होनी चाहिए। आज के हमारे प्रयास आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण देने में कारगर होंगे, जो जहां भी रहता है पौधे। एक दिन नहीं जब भी मौका मिले पौधा लगाए। घर-बाहर पौधे रोपने लिए दूसरों को प्रेरित करे। राजनीतिक दल से जुड़े होने के साथ सामाजिक सरोकार से हमारा हर वक्त वास्ता होना चाहिए।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, कार्यक्रम संयोजक शेट्टी चांदनानी, सह संयोजक जगदीश आसनानी, शिव मिश्रा, राजकुमार थावानी, सनी गीदवानी, सुनील दादलानी, सुरेश ज्ञानी, योगेश मालानी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया।

भारतीय प्रेस-परिषद के नाम का उपयोग करना अवैधानिक

भोपाल। केन्द्र सरकार ने प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया के नाम के अनाधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा एडवाइजरी में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली है,कुछ प्रेस संगठनों द्वारा प्रेस-परिषद शब्द का अनुचित उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया की संस्थागत महत्ता प्रभावित हो रही है और उसके विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है। सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया एक सांविधिक निकाय है। इसकी स्थापना प्रेस-परिषद अधिनियम-1978 के तहत प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से की गई थी।

मेट्रो एंकर

विश्व पर्यावरण दिवस : बच्चों ने किया पौधारोपण

संतनगर में हरित भविष्य का संदेश, संस्थाओं ने दोहराई प्रतिबद्धता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विश्व पर्यावरण दिवस पर संतनगर में विभिन्न संस्थाओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और हरित भविष्यके निर्माण का संदेश दिया गया।

दीपमाला पागरानी संस्कार विद्यालय के इको क्लब के विद्यार्थियों और पदाधिकारियों ने विद्यालय परिसर व बोरवन पार्क में पौधे लगाए। अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी और कोषाध्यक्ष चंदर नागदेव ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। बसंत चेलानी ने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है और विकास पर्यावरण की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी से अपने घर, बगीचे या किसी भी स्थान पर एक पेड़ लगाने का आह्वान किया। छात्रों ने आम, अमरूद, सहजन, जामुन और नीम के पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर इको क्लब के शिक्षक-शिक्षिकाएं, प्राचार्य आर.के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम और कॉर्डिनेटर सीमा शर्मा भी उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प- संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस एनसीसी, एनएसएस और नेचर क्लब मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीज बॉल वितरण से हुआ, जिसके बाद शिक्षकों और छात्राओं ने बीज रोपण किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि ऐसे आयोजन परिसर में पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. शांति शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ. विभा खरे और नेचर क्लब प्रभारी डॉ. शांता बेलानी ने भी सहयोग किया। छात्राओं ने एक स्वस्थ और हरित पृथ्वी के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

देशभर में केवल कूनो व गांधी सागर अभयारण्य के पास है चीते

कूनो व गांधी सागर को बड़े पर्यटन स्थलों के रूप में किया जाएगा विकसित

दोहपर मेट्रो, भोपाल

पालपुर कूनो व गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य को बड़े पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी मुख्य वजह इन दोनों जगह चीतों का होना है। राज्य सरकार इन दोनों के लिए विशेष प्लान तैयार कराएगी, उस आधार पर दोनों को विकसित किए जाने के प्लान के आधार पर काम शुरू होंगे।

ये दोनों इसलिए बन सकते हैं बड़े पर्यटन स्थल

सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका व नामीबिया के चीतों को लाकर भारत के अंदर श्योपुर के कूनो में बसाया। यहां मिली सफलता के बाद इन्हें पहली बार देश के अंदर एक से दूसरे स्थान पर शिफ्ट करते हुए प्रदेश के ही गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में बसाया।

कैट प्रजाति के ये वन्यजीव सबसे तेज दौड़ने में सक्षम तो है ही, इनका शातिरानापन भी गजब का माना जाता है। ये कब कहां और कितनी लंबी छलांग लगा दे, इसका भरोसा नहीं होता। हवा की तरह उड़ान भरने वाले इन वन्यजीवों ने मध्यप्रदेश को चीता संरक्षण में वैश्विक पटल पर लाकर खड़ा कर दिया।

पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश, राजस्थान के लिए भी उम्मीदों के द्वार खोले दिए। गुजरात जैसे दूसरे राज्य भी इन्हें बसाने के लिए आतुर है। इन सबके पीछे वन्यजीव संरक्षण की मंशा तो है ही, बल्कि दुनिया भर के पर्यटकों को रिझाना भी है। मध्यप्रदेश ने इस काम में सबसे पहले बाजी मारी है।

चीतों से प्रदेश को ये फायदें-

सबसे बड़ा फायदा पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने में मिल रहा है। दुनिया के ज्यादातर देशों में चीतों की मौजूदगी नहीं है, यहां के वन्यजीव व चीता प्रेमी पर्यटक भारत आएंगे। इसके कई प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष लाभ होंगे।

चीतों को पालने, उनके बीच कुनबा बढ़ाने के लिए प्रजनन गतिविधियों के संरक्षण के लिए दक्षिण अफ्रीका व नामीबिया ने मध्यप्रदेश को अपने चीता विशेषज्ञ दे रखे हैं। अब बोत्सवाना व दूसरे देशों के विशेषज्ञों के दौरे भी यहां हो रहे हैं। इसका लाभ प्रदेश उठा रहा है।

देश के अंदर तो चीता दुर्लभ है ही, दुनिया के कई देशों में इसकी मौजूदगी नहीं रही। ऐसे देश चीतों की मौजूदगी वाले देशों की ओर उम्मीद लगाकर देख रहे हैं, बल्कि ऐसे देशों को चीता संरक्षण के लिए फंड भी मुहैया कराते रहे हैं। देश व मध्यप्रदेश अंतरराष्ट्रीय मंचों से उक्त श्रेणी में मिलने वाली मदद के दायरे में आए हैं।

मंच पर नहीं बैठने की वजहें अब साफ की दिग्विजय ने

दोहपर मेट्रो, भोपाल। कांग्रेस कार्यक्रमों के मंच से दूरी बना चुके पूर्व सीएम व सांसद दिग्विजय सिंह ने अब साफ किया है कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। दरअसल जबलपुर में 31 मई को हुई कांग्रेस की जयहिंद सभा में पूर्व सीएम और कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह मंच पर नहीं बैठे। पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया तो दिग्विजय के पैर छूकर मंच पर बैठने का आग्रह करते रहे। इसी तरह हाल में भोपाल में राहुल गांधी के कार्यक्रम में भी दिग्विजय मंच के बजाए सामने की पंक्ति में नजर आए थे। अब खुद उन्होंने ही मंच पर न बैठने की वजहें बताई हैं। दिग्विजय ने फेसबुक पोस्ट में लिखा- कांग्रेस को कार्यकर्ताओं के बीच रहना होगा।मेरा मंच पर न बैठने का निर्णय केवल व्यक्तिगत विनम्रता नहीं बल्कि संगठन को विचारात्मक रूप से सशक्त करने की सोच को लेकर उठाया गया कदम है। यह निर्णय कांग्रेस की मूल विचारधारा, समता, अनुशासन और सेवा卐 का प्रतीक है। आज कांग्रेस का काम करते हुए कार्यकर्ताओं को नया विश्वास और हौसला चाहिए। इसके लिए संगठन मेंजितनी सादगी होगी उतनी सुदृढ़ता आएगी। राहुल का दिया उदाहरणष दिग्विजय ने लिखा- खुद राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए ऐसी मिसाल प्रस्तुत कर चुके हैं। 17 मार्च 2018 को दिल्ली में तीन दिवसीय कांग्रेस का पूर्ण राष्ट्रीय अधिवेशन इस बात का गवाह रहा है। उसमें राहुल , सोनिया सहित सभी वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मंच से नीचे दीर्घा में ही बैठे थे। यहां तक कि स्वागत-सत्कार भी मंच से नीचे उनके बैठने के स्थान पर ही हुआ। मैं समझता हूं, वह फैसला कांग्रेस पार्टी का सबसे सफलतम प्रयोग था।

ई-प्रवेश प्रक्रिया में इस बार प्रदेश के 562 सरकारी और 364 निजी कालेज जोड़े गए

ई-प्रवेश प्रक्रिया में प्रदेश के 562 सरकारी व 364 निजी कॉलेज जुड़े

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के कॉलेजों में प्रवेश के लिए शुरू की गई ई-प्रवेश प्रक्रिया जारी है। शुक्रवार को यूजी-पीजी में पंजीयन का अंतिम दिन है। ई-प्रवेश प्रक्रिया में इस बार प्रदेश के 562 सरकारी और 364 निजी कालेज जोड़े गए हैं। इन कालेजों के यूजी पीजी में प्रवेश लेने के लिए दो लाख 82 हजार पंजीयन हो चुके हैं। जबकि दो लाख ने अपना सत्यापन करा लिया है। सवा दो लाख विद्यार्थियों ने च्वाइस लॉक हो चुकी हैं। जहां नये विद्यार्थी शुक्रवार को और पंजीयन करा सकेंगे, जो अंतिम दिन है। वहीं वंचित विद्यार्थी सात जून तक सत्यापन करा सकेंगे। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 13 से 18 जून 2025 तक होगा। प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश नही माना जाएगा।

12 जून को होगा सीटों का आवंटन-

उच्च शिक्षा विभाग 12 जून को सीटों का आवंटन करेगा। विद्यार्थी 13 से 18 जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। इधर, विभाग ने एनसीटीई के कोर्स जैसे बीएड, बीपीएड, एमएड, एमपीएड, बीएडएमएड, आईटीईपी, बीएलएड अंशकालीन बीएड और राज्य शिक्षा केंद्र का बीएड में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थी प्रथम चरण में शुक्रवार तक पंजीयन और शनिवार तक कर सकेंगे।

एनसीटीई कोर्स में 92 हजार विद्यार्थियों का पंजीयन-

अभी तक एनसीटीई कोर्स में 92 हजार विद्यार्थियों का पंजीयन कर चुके हैं। इसमें 64 हजार का सत्यापन हो सका है। नौ जून को मेरिट जारी होगी। विभाग 12 जून को प्रवेश आवंटित करेगा। 13 से 18 जून तक मूल दस्तावेज, टीसी माइग्रेशन के सत्यापन के लिए उपस्थित होना होगा। विद्यार्थी 14 से 19 जून तक प्रवेश ले पाएंगे। अभी तक विभाग को कुल तीन लाख 77 हजार के पंजीयन प्राप्त हो चुके हैं। जबकि दो लाख 66 हजार का सत्यापन और तीन लाख छह हजार की च्वाइस लॉक हो चुकी है।

शिक्षा भर्ती के अभ्यर्थी 18 जून को राजधानी में करेंगे प्रदर्शन

भोपाल। 2018 की उच्च एवं माध्यमिक स्थाई शिक्षक भर्ती के शेष पात्र अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने लोक शिक्षण संचालनालय में अपर संचालक को ज्ञापन पत्र सौंपकर अगली काउंसलिंग के साथ भर्ती पूर्ण कराने की मांग की है ।पात्रता परीक्षा संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल रविदास व लिलेंद्र मेहर एवं ब्रज किशोर कुशवाहा सहित अन्य अभ्यर्थियों ने बताया कि उच्च एवं माध्यमिक शिक्षक भर्ती 2018 में प्रथम एवं द्वितीय काउंसलिंग होने के बाद भी पद शेष है।?इन पदों पर अभी तक तृतीय काउंसलिंग शुरू नही की गई। जिस कारण अभ्यर्थी परेशान है।?मांगे पूरी नहीं होने की स्थिति में 18 जून को राजधानी भोपाल में हजारों अभ्यर्थी बड़ा प्रदर्शन करेंगे।?

मैदानी व मुख्यालय स्तर पर होगा बदलाव, लेकिन सूची बड़ी नहीं होगी

मप्र में अब आईएएस अफसरों की सर्जरी के लिए टेबल तैयार

दोहपर मेट्रो, भोपाल

राज्य सरकार आईपीएस अधिकारियों के बाद अब आईएएस अधिकारियों के तबादले करने की तैयारी पूरी कर चुकी है। इसके आदेश कल तक जारी हो सकते हैं। इसमें मंत्रालय से लेकर मैदानी स्तर तक के अधिकारी बदले जाएंगे। अभी कई पद रिक्त हैं तो कई बदले जाने की सूची में हैं। मसलन दतिया कलेक्टर संदीप माकिन के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद रिक्त है। वैकल्पिक व्यवस्था के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह और संजीव कुमार झा की पदस्थापना होनी है।सिंह की सेवा चुनाव आयोग से वापस ली जा रही हैं। बताते हैं कि मुख्यमंत्री मोहन यादव सूची को अंतिम रूप मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ बैठक करके आज रात या कल देंगे।हालांकि मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि यह बहुत बड़ा प्रशासनिक परिवर्तन नहीं होगा। ऐसे में, केवल आवश्यक पदस्थापनाएं ही एक-दो दिन में की जाएंगी। माना जा रहा है कि मंत्रालय में अवश्य कुछ बड़े और महत्वपूर्ण परिवर्तन होंगे, जो काफी समय से प्रस्तावित हैं। लोक निर्माण विभाग जैसा बड़े और महत्वपूर्ण विभाग में कोई स्थायी वरिष्ठ अधिकारी नहीं है। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई के पास वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर लोक निर्माण विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिसंबर 2024 से है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने बीते महीनों में काफी आईएएस अफसरों को बदला है इसलिये तीन चार जिलों में ही कलेक्टरो बदलने की जरूरत महसूस हो रही है। वहीं निगमों और मंत्रालयों में आईएएस अफेसरों की पदस्थापना के संबंध में तैयारी की गई है। कम से कम पांच विभागों की कमान बदल सकती है।

बीयू में तीसरे वर्ष की परीक्षाएं पूरी, मूल्यांकन जारी, जल्द आएंगे परिणाम

विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं में देरी से पीजी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी परेशान

दोहपर मेट्रो, भोपाल। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में यूजी के तीसरे वर्ष परीक्षाओं में देरी के चलते विद्यार्थी परेशान है। पीजी कोर्स में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी बिना रिजल्ट के पीजी के किसी भी प्रोग्राम में प्रवेश नहीं ले सकते हैं। उन्हें दूसरे वर्ष की अंकसूची पर प्रवेश लेने के लिए पंजीयन कराना पड़ रहा है। अब यदि तीसरी वर्ष में फेल हो जाते हैं, तो उनका प्रवेश निरस्त हो जाएगा। इसके साथ उन्हें आर्थिक नुकसान भी उढ़ाने पढेंगे। इधर बीयू ने तीसरे वर्ष की परीक्षाएं पूरी करा ली हैं। उनका मूल्यांकन कार्य चल रहा है। बीयू अगले सप्ताह तक रिजल्ट देने की प्रक्रिया में आ जाएगा। बीयू सबसे पहले बीएससी अंतिम वर्ष के रिजल्ट जारी करेगा। इसके बाद बीयू बीकाम के रिजल्ट देगा। इससे बीयू के विद्यार्थियों को किसी भी पीजी प्रोग्राम में प्रवेश लेने के लिए ज्यादा जद्दोजहद नहीं करनी पड़ेगी।

एमबीए की काउंसलिंग पर भी असर : विवि द्वारा यूजी का रिजल्ट नहीं देने पर तकनीकी शिक्षा विभाग की 16 जून से शुरू होने वाली एमबीए की काउंसलिंग पर भी असर पड़ेगा। प्रदेश में एमबीए के करीब 200 कालेज हैं। उनकी करीब 40 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का यूजी में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। रिजल्ट के अभाव में विद्यार्थी एमबीए में प्रवेश लेने काउंसलिंग में भागीदारी नहीं कर पाएंगे। यहां तक विवि द्वारा बीसीए का रिजल्ट नहीं आने की दशा में एमसीए में भी प्रवेश लेने से वंचित बने रहेंगे।

कर्मचारी संगठनों के पत्रों पर अफसर करवा रहे परीक्षण

कर्मचारियों की पुरानी मांगों को भी सुलझाएगी सरकार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मोहन सरकार कर्मचारियों की पुरानी मांगों पर भी सुनवाई करेगी। अफसरों ने इसके लिए मांग पत्रों का परीक्षण शुरू कर दिया है। सबसे पहले वे मांगे पूरी की जाएंगी, जिन्हें पूरा करने पर सरकार को कोई वित्तीय बोझ नहीं आना है। इनमें तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के तहत आने वाले कुछ विभागों के कर्मचारियों के पद नामों में बदलाव करना है।

लघु वेतन कर्मचारी संघ लंबे समय से भृत्यों का पदनाम कार्यालय सहायक करने की मांग करते आ रहा है तो वहीं ग्रामीण स्तर पर काम करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम जन सेवक और दैनिक वेतन भोगी से स्थाई कर्मी बनाए गए कर्मी पदनाम में बदलाव की मांग कर रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार ऐसी गैर वित्तीय मांगों की सूची तैयार करवा रही है, ताकि सभी मांगों को एक साथ पूरा किया जा सके। उल्लेखनीय है कि कर्मचारियों को छोटी-छोटी गैर वित्तीय मांगों के लिए वर्षों से इंतजार करना पड़ रहा है। कई बार तो कर्मचारी आंबेडकर मैदान से लेकर मंत्रालय के सामने तक धरने पर बैठ चुके हैं।

मेट्रो एंकर पारदर्शी तरीके से अनुज्ञा जारी करने के लिये ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान सिस्टम

413 नगरीय निकायों में यह सिस्टम कर रहा है काम

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश में 413 नगरीय निकायों में यूनिफॉर्म एवं पारदर्शी तरीके भवन अनुज्ञा जारी करने के लिये ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्रुवल सिस्टम (एबीपीएएस) लागू किया गया है। एबीपीएएस के अंतर्गत निकाय कार्यालय में उपस्थित हुए बिना ही भवन अनुज्ञा प्राप्त किये जाने के लिये आवेदन ऑनलाइन स्वीकृत किये जाने की व्यवस्था की गई है। यह संपूर्ण प्रक्रिया बिना किसी मानव हस्तक्षेप के ऑटोमेटेड प्रोसेस से ही की जाती है। यहाँ तक की बिल्डिंग इस्पेंक्टर द्वारा स्थल निरीक्षण के समय में भी मोबाइल ऐप द्वारा ही जानकारी प्राप्त कर सिस्टम में अपलोड कर दी जाती है। अब तक करीब 3 लाख 50 हजार भवन अनुज्ञाएँ ऑनलाइन माध्यम से स्वीकृत की गई हैं। ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान सिस्टम नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग द्वारा

तैयार किया गया है। प्रदेश की 413 नगरीय निकायों में भूमि विकास नियम में दिये गये प्रावधानों के अनुसार ऑनलाइन कम्पांउडिंग (प्रशमन) लागू किया गया है। ऑनलाइन कम्पांउडिंग प्राणाली में शुल्क भी सिस्टम के द्वारा ऑटोमेटिक जनरेट किया जाता है एवं शुल्क के लिये सभी ऑनलाइन भुगतान विकल्प का उपयोग किया जाता है।

अनिवार्य दस्तावेजों की संख्या हुई 5

ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्रुवल सिस्टम में नागरिक स्वयं प्लिंथ प्रमाण पत्र, सेवा प्रमाण पत्र, कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र और अधिभोग प्रमाण पत्र ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा प्राप्त कर सकते है। भवन अनुज्ञा के लिये अनिवार्य दस्तावेजों की संख्या 16 से घटा कर 5 और साइट निरीक्षण चेक लिस्ट बिंदुओं को भी 43 से घटा कर 26 कर दिया गया है। फीस मेमों सिस्टम द्वारा स्वता-ही शुल्क जनरेट किया जाता है। शुल्क भुगतान के लिये सभी प्रकार के ऑनलाइन माध्यम स्वीकार किये जाते है। राज्य शासन द्वारा भवन अनुज्ञा प्रक्रिया के सरलीकरण के लिये अधिकारिता रखने वाले प्राधिकारी द्वारा समयक रूप से पंजीकृत वास्तुविद और संरचना इंजीनियर को 300 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल के भू-खंडों पर भवन अनुज्ञा जारी किये जाने की शक्तियाँ प्रदान की गई है। नये नियमों के अनुसार 186 वर्ग मीटर तक के आवासीय भू-खंडों पर त्वरित डीम्ड स्वीकृति प्रक्रिया को भी सिस्टम अंतर्गत लागू किया गया है।

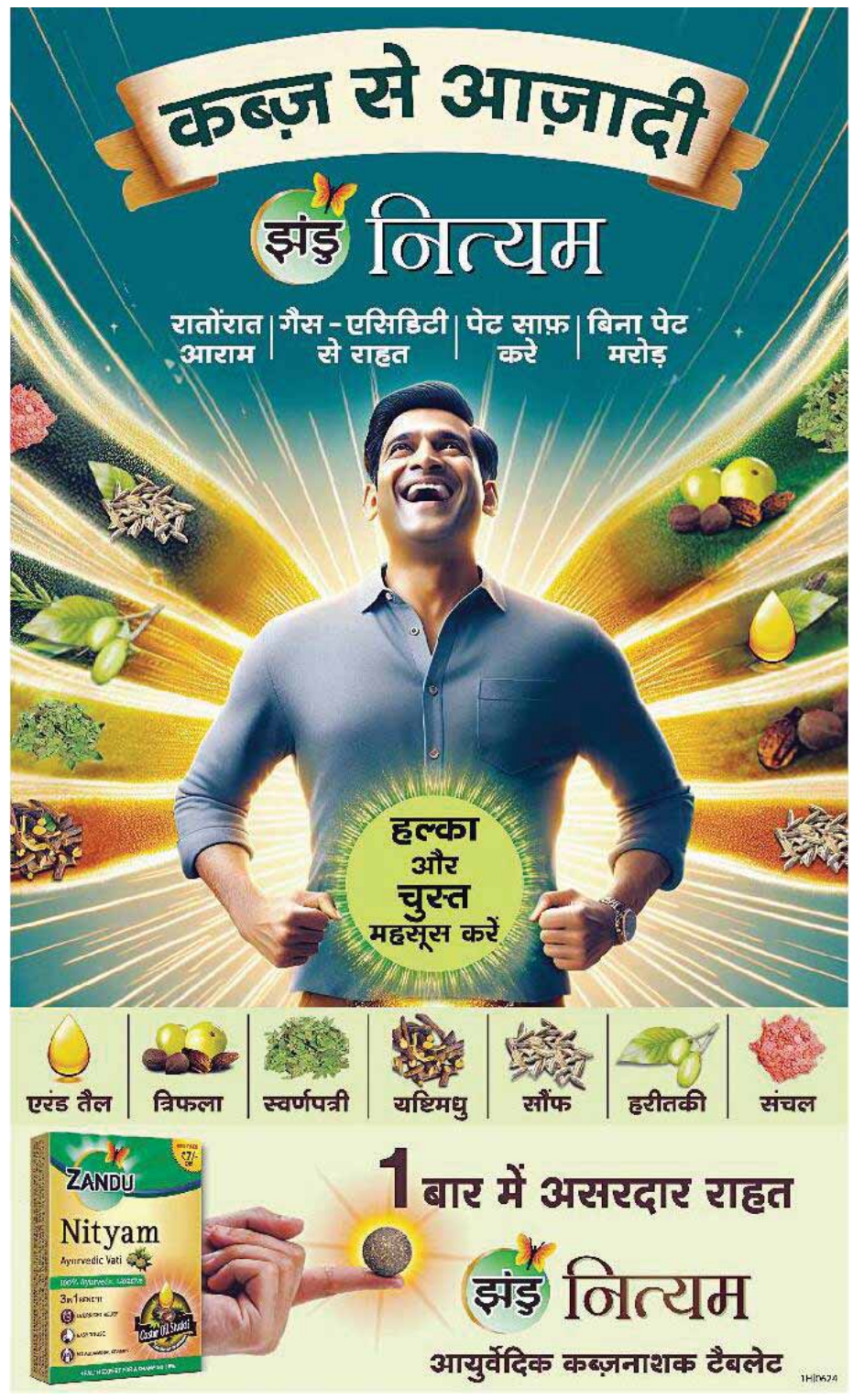

संपादकीय

मानसून, नदियों का पानी और पूर्वोत्तर

देशभर में इस वक्त पानी को लेकर दो तरह की चर्चा है। पहली यह कि देश में मानसून समय पर आ गया है कई राज्यों मे बरस रहा है तथा कई राज्यों तक प्री मानसून एक्टिविटी पहुंच गई है। दूसरी चर्चा का विषय हाल में पाकिस्तान से तनाव के बार भारत द्वारा चिनाब नदी का पानी रोकना व इसके बाद चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोकने की आशंका है। पहले मानसून पर बात करें तो पूर्वोत्तर में यह तबाही मचा रहा है। लोगों का जीवन संकट में है।असम की हालत खराब है। वर्तमान स्थिति का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन तो है ही, कमजोर बुनियादी ढांचा भी है। पूर्वोत्तर के कई राज्य हर बार भारी बारिश का सामना करते हैं। इस दौरान नदियां उफन पड़ती हैं। जर्जर तटबंध पानी के वेग को संभाल नहीं पाते। नतीजा यह कि कई जिले जलमग्न हो जाते हैं, जिससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। फसलें बर्बाद हो जाती हैं। दरअसल, जंगलों की कटाई, अवैध खनन और अनियोजित शहरीकरण से यह समस्या बड़ी है। पूर्वोत्तर में आपदा प्रबंधन आज तक मजबूत नहीं बन पाया है। मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल सहित कई राज्य इस बार भी बुरी तरह प्रभावित होते हैं। पूर्वोत्तर में बरसात के दिनों में यही हर बार तस्वीर दिखती है। सवाल है कि बाड़ से बचाव के लिए राज्य सरकारें पहले से तैयारी क्यों नहीं करतीं। जलवायु विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर जलवायु अनुकूल रणनीति और योजनाएं नहीं बनाई गईं, तो भविष्य में बारिश बड़े पैमाने पर तबाही ला सकती है। मौसम वैज्ञानिक पहले से ही बताते रहे हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की संरचना नाजुक है। ऐसे में, जल निकासी का व्यापक प्रबंधन न होने से मूसलाधार बारिश के दौरान जल प्रवाह को संभालना मुश्किल होता है उष्णकटिबंधीय मौसम विभाग की रपट बताती है कि वर्ष 2000 से 2020 के बीच मेघालय, अरुणाचल और असम में 33 फीसद बारिश बढ़ी है। ऐसे में आपदा प्रबंधन से जुड़े योजनाकारों और मौसम विज्ञानियों को बारिश में आई तीव्रता और मौसम के बदलते मिजाज को समझना होगा। प्राकृतिक आपदा के कारण नागरिक बेघर न हों, इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए। अब असम के सीएम हेमंता विश्वसरमा की बात,जिन्होंने हाल में कहा है कि भारत-चीन सीमा पर ब्रह्मपुत्र नदी का बहाव 2-3 हजार क्यूबिक मीटर प्रति सेकेंड तक रहता है। वहीं जब ये नदी असम की समतल जमीन पर आती है, तो मानसून के दौरान इसका बहाव 15-20 हजार क्यूबिक मीटर प्रति सेकेंड तक बढ़ जाता है। उनके मुताबिक, 'अगर चीन पानी का बहाव कम करता है, तो इससे असम में हर साल आने वाली बाढ़ को कंट्रोल करने में भारत को मदद मिलेगी। गौरतलब है कि भारत द्वारा पाकिस्तान का पानी रोकने के फैसले पर माना जा रहा है कि चीन इस मामले में बदले की कार्रवाई कर सकता है। हालांकि नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल स्टडीज के प्रोफेसर प्रसेनजीत बिस्वास का कथन सामने आया है कि %भारत-चीन के बीच डिप्लोमेटिक रिलेशंस हैं। दोनों ने क्लाइमेट चेंज पर साथ आने का समझौता किया है। चीन नहीं चाहता है कि भारत में ब्रह्मपुत्र नदी सूख जाए। दरसअल नदियां एक लिविंग सिस्टम से चलती हैं। यानी किसी भी नदी को जिंदा रखने के लिए भूगौलिक तौर पर ऊपर और नीचे पानी की तय मात्रा रखनी होती है। अगर पानी नीचे जाने से रोक दिया तो ऊपर भी नदी खत्म हो जाएगी। मगर फिलहाल तो यह जरूरी है कि हर वर्ष बाढ की तबाही के खतरे वाले राज्यों में इससे निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की ठोस योजनाएं बनें।

महत्वाकांक्षी PMFBY योजना में पहले की योजनाओं जैसी ही खामियां

■ कार्ति पी. चिदंबरम

भारत के किसान देश को खाद्य सुरक्षा प्रदान करते हैं लेकिन खुद वे निरंतर कष्ट में रहते हैं. सरकार की नीतियों में उनकी उपेक्षा की जाती है. उनका योगदान महत्वपूर्ण होता है लेकिन वे वंचित और बेजबान बने रहते हैं. एक किसान परिवार से आए उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ किसानों की शिकायतों को निरंतर सामने लाकर अपना असंतोष जाहिर करते रहे हैं. वे इस बात पर ज़ोर देते रहे हैं कि किसानों की देखभाल करना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। कृषि देश की जीडीपी में हालांकि केवल 18.2 फीसदी का योगदान देती है लेकिन यह 42.3 फीसदी आबादी की आजीविका मुख्य स्रोत है. लेकिन पिछले एक दशक से भारत में कृषि क्षेत्र में रोजगार में बड़ी दशकीय गिरावट आई है. यह इस क्षेत्र की बढ़ती कमजोरी का प्रमाण है. फसलों के नाकाम होने, कीमतों में गिरावट और बीमा के जरिए सुरक्षा देने के टूटे वादों की वजह से कृषि क्षेत्र का संकट एक महामारी जैसा बन गया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2015 के आंकड़े बताते हैं कि किसानों द्वारा आत्महत्या के 80 फीसदी मामले कर्ज और दिवालियापन की वजह से हुए. इस संकट में बड़ोतरी ही होती दिखी है. दिसंबर 2023 में एनसीआरबी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काम करने वाले 1,12,000 से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या की. नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस (एनएसओ) द्वारा 2018 में किए गए एक सर्वे में पाया गया कि भारत में 50 फीसदी से ज्यादा खेतिहर परिवार कर्ज के बोझ से दबे थे। 2016 में शुरू की गई 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' (पीएमएफबीवाई) में फसल की बीम का वादा किया गया था, जिससे किसानों के मन में भरोसा जगा था. कागज पर तो इस योजना में पिछली कई खामियों को दूर कर दिया गया था लेकिन ध्यान से देखने पर जाहिर हुआ कि इस महत्वाकांक्षी बीमा योजना में भी पिछली योजनाओं की कई खामियां मौजूद थीं. यह योजना खेतिहर समुदाय की अपेक्षाओं को तो पूरा नहीं ही करती थी, जिन लोगों को सुरक्षा देने के लिए इसे लागू किया गया था उनको ही इसने अलगथलग कर दिया.इसकी एक बुनियादी खामी दावों के निबटारे की अभेद्य, जटिल, और बेहद तकनीकी किस्म की प्रक्रिया है. उपग्रह चित्र और विशाल यूनिटों के 'एवरेजिंग डाटा' के प्रयोग ने जमीनी हकीकत से कटी हुई व्यवस्था का निर्माण कर दिया. अहम बात यह है कि उपग्रह के जरिए जांच का दायरा सीमित है, इसमें केवल यह पता लगता है कि फसल लगी है या नहीं लगी है. इससे फसलों के बीच भेद भी नहीं किया जा सकता. यह तकनीकी खामी के कारण मुआवजे का गलत आधार तय होता है, जो वास्तविक आजीविका को नुकसान पहुंचाता है. कीड़ों के कारण किसानों को जो भारी नुकसान होता है या फसल की पौष्टिकता घटती है उसका मुआवजा उन्हें नहीं मिलता क्योंकि उपग्रह के चित्र में फसल हरी-भरी नजर आती है। इससे भी ज्यादा भयावह बात इस मॉडल में निहित असमानता का तत्व है. किसान व्यक्तिगत रूप से किस्त जमा करते हैं लेकिन मुआवजा गांव के अंदर के झुरमुटों या बड़ी और छोटी काश्तों के बड़े अस्पष्ट इलाकों के आधार पर तय किया जाता है जिसमें यूनिटों का समता मूलक सीमांकन नहीं किया जाता. इसके कारण दावों को भेदभावपूर्ण ढंग से खारिज कर दिया जाता है, खासकर उन लोगों का जिनकी पूरी फसल खराब हो गई है या कहीं-कहीं खराब हुई है. इलाका आधारित मापन का अजो मॉडल अपनाया जा रहा है वह इन समस्याओं को और बड़ा देता है. स्थानीय मौसम की खराबी, गांव के किसी इलाके में अचानक आई बाढ़ किसी छोटे किसान की फसल को नष्ट कर सकती है जबकि उसके पड़ोसी की फसल बच जाती है, लेकिन दोनों का आकलन एक ही पैमाने से किया जाता है. व्यक्तिगत क्लेश या नुकसान को सामूहिक आंकड़ों के तहत दबा देना बेहद अनुचित है। केंद्र और राज्य की सरकारें किस्तों का 80-85 फीसदी हिस्सा देती हैं जिससे निजी बीमा कंपनियों को तो निरंतर मुनाफा होता है लेकिन किसानों को बहुत लाभ नहीं मिलता. दावों

के निबटारे में देरी की जाती है या उन्हें खारिज कर दिया जाता है जबकि निजी कंपनियां जोखिम मुक्त किस्तों की उगाही करती हैं. इस बीच, फसल कटाई के प्रयोग अपर्याप्त मजदूरों, खराब किस्म के कंट्रोल किया जाता है, और इन्फ्रास्ट्रक्चर में खामी तथा जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण की कमी के कारण ड्रोन तथा एआइ आधारित विश्लेषण जैसे तकनीकी उपायों का अधूरा इस्तेमाल होता है. सबसे चेतावनी वाली बात यह है कि सीएजी की 2022 की रिपोर्ट कहती है कि सर्वे में शामिल 37 फीसदी किसानों को ही प्रधानमंत्री फसल बीमा के लाभों, किस्तों के ढांचे या दावा निबटारे की प्रक्रिया के बारे में वास्तविक जानकारी थी। जमीनी वास्तविकताएं फसल बीमा की गंभीर खामियों को उजागर करती हैं. जबरन सदस्यता, दावों के निबटारे में देरी या उन्हें खारिज किया जाना और दोषपूर्ण सर्वे के कारण किसानों को मुआवजा नहीं मिलता है और वे कर्ज से दबे रहते हैं। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई जिला के कुल 277 गांवों में से केवल 68 गांवों को ही 2024 में फसल बीमा दावों की सुविधा हासिल थी और उनमें से केवल 16 गांवों को मुआवजा मिला था. दूसरे जिलों का भी यही हाल था।तमिलनाडु के 55 वर्षीय किसान डी. आरोग्यम ने कोई कर्ज नहीं लिया था लेकिन अधिकारियों ने उन्हें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में जबरन शामिल होने को मजबूर किया. वे समय पर किस्तें भरते रहे लेकिन सूखे के कारण लगातार दो साल फसल खराब होने के बावजूद उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिला और वे कर्ज लेने को मजबूर हुए। 'डाउन टु अर्थ' पत्रिका की खबर के मुताबिक, हरियाणा में सोनीपत के रोशन लाल ने बीमा करवाने की कभी सहमति नहीं दी थी फिर भी उन्हें यह धमकी देकर किस्त भरने को मजबूर किया गया कि वे ऐसा नहीं करेंगे तो उन्हें कर्ज के ब्याज पर मिलने वाली छूट नहीं दी जाएगी. लेकिन जब उनकी फसल खराब हो गई तो 'तकनीकी कारणों' से उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया गया और उन्हें बीमा के कागजात कभी दिखाए नहीं गए।राजस्थान में कई किसानों के दावे इसलिए निरस्त हो गए कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने उनकी किस्तों को दर्ज नहीं किया. इसलिए उन्होंने अपेक्षित भुगतान की उम्मीद किए बिना अगली फसल लगाई। तमिलनाडु के किसानों को मौसम की गड़बड़ियों को अक्सर झेलना पड़ता है. दूसरे राज्य तो दक्षिण-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी मॉनसून पर निर्भर करते हैं लेकिन तमिलनाडु उत्तर-पूर्वी मॉनसून पर ही निर्भर करता है, जो जलवायु परिवर्तन के कारण काफी अनिश्चित रहता है. 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रौपिकल मेटियरोलॉजी' के 2023 के एक सर्वे में पाया गया कि पिछले दशक में बादल फटने और कहीं-कहीं बाढ़ आ जाने की घटनाओं में वृद्धि के बावजूद उत्तर-पूर्वी मॉनसून की बारिश में 15 फीसदी की कमी आई है। उदाहरण के लिए तंजावुर, तिरुवरुर, पुदुक्कोट्टई और नागपट्टिनम जैसे तटीय इलाकों में 2022-2023 के एक ही फसल सीजन में कभी देर से तो कभी बेमौसम बारिश हुई. लेकिन किसानों की आय में कमी की भरपाई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत तब तक नहीं की जाती जब तक इलाके की औसत पैदावार 'कट-ऑफ' सीमा से नीचे नहीं जाती, और यह व्यक्तिगत मुआवजे को खारिज कर देती है। फसलों का आकलन जीपीएस एप और उपग्रह चित्रों के आधार पर किया जाना चाहिए और फसलों की निगरानी में एआई का इस्तेमाल किया जाना चाहिए. 'ब्लॉकचेन' से किसानों की पहचान की जा सकती है और सबको जोड़ा जा सकता है. खुले मंचों और मोबाइल के जरिए हासिल सूचनाओं की मदद से जवाबदेही तय की जा सकती है. ड्रोन, सेंसर, और प्रशिक्षण की मदद से डिजिटल खाई को पाटा जा सकता है. पंचायतें व्वाइस आधारित हेल्पलाइन की मदद से स्थानीय लोगों को आधुनिक टेक्नोलॉजी की शिक्षा दे सकती हैं।मैं 'डाइरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' (डीबीटी) जैसे सबसे महत्वपूर्ण उपायों का पूरा समर्थन करता हूं. यह व्यवस्था किसी बिचौलिए, किसी जटिलता और अपारदर्शी नौकरशाही प्रक्रियाओं में उलझे बिना सीधे लाभार्थी को लाभ पहुंचाती है. हाल में, इसकी इसी की पुष्टि करते हुए उपराष्ट्रपति ने अप्रत्यक्ष सब्सीडी की खामियों को रेखांकित करते हुए कहा कि ÷इसमें 'लीकेज' की हमेशा गुंजाइश रहती है, इससे अधिकतम परिणाम नहीं मिलते÷। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे कार्यक्रम भारत की कृषि नीति में ढांचागत दरारों और वित्तीय खामियों को उजागर करते हुए सुधारों की जरूरत पर ज़ोर देती हैं. जलवायु और कृषि संबंधी संकटों से निबटने के लिए इस योजना को पारदर्शी, जवाबदेह, और संवेदनशील सहायता व्यवस्था बनाने की जरूरत है जो किसानों को डाटा न मान कर मनुष्य माने जिनकी आजीविका उनके दावों की समय पर तथा मानवीय निबटारे पर आधारित हो. खेती सिर्फ आर्थिक गतिविधि नहीं है, यह एक जीवन शैली है जिसे ऐसी शासन व्यवस्था की जरूरत है जो किसानों की बात सुनती हो, समझती हो और सच्चे सरोकार के साथ काम करती हो।

साभार- लेखक कांग्रेस सांसद हैं, यह उनके विचार हैं।

आज का इतिहास

- 1520 फ्रांस और इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1674 शिवाजी, जिन्होंने बीजापुर और मुगल साम्राज्य के सल्तनत से मुक्त करने के लिए प्रतिरोध का नेतृत्व किया, को मराठा साम्राज्य के पहले छत्रपति का ताज पहनाया गया।
- 1744 फ्रांस और पर्शिया ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किया।
- 1761 शुक्र का पारगमन हुआ जिसे पृथ्वी के 120 स्थानों से देखा जाता है। मिखाइल लोमोनोसोव को वीनस का माहौल पता चला।
- 1808 नेपोलियन के भाई जोसफ को स्पेन का राजा बनाया गया था।
- 1813 ग्रेगरी ब्लैक्सलैंड, विलियम लॉसन और विलियम वेंटवर्थ ब्लू माउंटेनों को पार करके घर लौटकर वापिस आ गए।
- 1813 1812 का युद्ध-ब्रिटिश ने ओंटारियो के स्टोइन क्रीक के पास अमेरिकी दबंग पर हमला किया, दो वरिष्ठ अधिकारियों को पकड़ लिया।
- 1844 लंदन में युवा पुरुष ईसाई संघ (वाईएमसीए) की स्थापना की गयी।
- 1844 वाईएमसीए, आज 124 राष्ट्रीय महासंघों के 45 मिलियन से अधिक सदस्यों के विश्वव्यापी आंदोलन की स्थापना लंदन में हुई थी।
- 1859 क्वीन विक्टोरिया ने न्यू साउथ वेल्स से क्यूक्यून्सलैंड की कॉलोनी को अलग करने वाले पत्रों पर हस्ताक्षर किए।
- 1862 मेम्फिस की पहली लड़ाई में अमेरिकी नागरिक युद्ध-संघ की सेना की जीत ने मिसिसिपी नदी पर कॉन्फेडरेट नौसेना की उपस्थिति को लगभग समाप्त कर दिया।
- 1882 न्यूयॉर्क के हेनरी डब्ल्यू सिले ने इलेक्ट्रिक आयरन का पेटेंट लिया।
- 1882 शेवा साम्राज्य ने गोजाम को हराकर और गिबे नदी के दक्षिण में धमनियों पर नियंत्रण हासिल करके इथियोपियाई साम्राज्य पर आधिपत्य हासिल करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया।
- 1892 शिकागो के %एल% ट्रेन (1922 ट्रेन का चित्र), यूनाइटेडस्टेट्स में कुल ट्रैक माइलेज में दूसरा सबसे लंबा रैपिड ट्रांजिट सिस्टम, संचालन शुरू हुआ।
- 1894 कोलोराडो के गवर्नर डेविस हैनसन वेइट ने अपने राज्य मिलिशिया को क्रिप्पल क्रीक माइनर्सस्ट्राइक में लगे खनिकों की रक्षा और समर्थन करने का आदेश दिया।

समय से बड़ा गुरु और सब्र से बड़ा निवेश कुछ नहीं होता...!!!

निशाना

लगे खेलने खेल !

-कृष्णेन्द्र राय

है अभी शुरुआत ये ।
लगे खेलने खेल ।।
रहा यही यदि हाल ।
होगा कैसे मेल ?
सारे चतुर खिलाड़ी ।
रहे हैं पासा फेंक ।।
है गद्दी का मामला ।
मतभेद भी अनेक ।।
होंगे कैसे एकजुट ?
है वही सवाल ।।
हो रही ना शांति ।
बस केवल बवाल ।।
एकता की बात थी ।
होते दरकिनार ।।
झलक रहा है बहुत कुछ ।
करते जो व्यवहार ।।

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

■ ललित गर्ग

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बड़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बड़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेड़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान

पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बड़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बड़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बड़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बड़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाएड़ अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

- साभार

भगवान चित्रगुप्त के 12 पुत्रों की मूर्तियों की विधिविधान से हुई स्थापना

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर देवनगरी बेहलोट स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर में श्री चित्रगुप्त जी के 12 पुत्रों की प्रतिमाओं की स्थापना मंदिर के पुजारी रामकिशन शर्मा एवं पं. चंद्रेश शर्मा के द्वारा भक्तिभाव, मंत्रोच्चारण एवं विधिविधान से सम्पन्न हुई।

समाज के वरिष्ठ कैलाश नारायण श्रीवास्तव ने बताया कि प्राणियों के पाप पुण्य का लेखा-जोखा रखने वाले ब्रह्मपुत्र चित्रगुप्त जी के दो विवाह हुए, पहली पत्नी नंदनी (सूर्यदक्षिणा) जो ब्राह्मण कन्या थी, इनसे 4 पुत्र हुए जो भानु (श्रीवास्तव), विभानू (सूर्यध्वज), विश्वभानू (बाल्मिकी) और वीर्यभानू (आष्ठाना) कहलाए। दूसरी पत्नी शोभावति (एरावती) नागवंशी

क्षत्रिय कन्या थी, इनसे 8 पुत्र हुए जो चारु (माथुर), चितचारु (निगम), मतिमान (सक्सेना), सुचारु (गौंड़), चारुण (कुलश्रेष्ठ), हिमवान (अम्बष्ठ), चित्र (भटनागर) और चित्रचरण (कर्ण) कहलाए। बताया कि श्री चित्रगुप्त जी महाराज के बारह पुत्रों का विवाह नागलोक के राजा वासुकी की बारह कन्याओं से सम्पन्न हुआ, जिससे कि कायस्थों की ननिहाल नागवंश मानी जाती है और नागपंचमी के दिन कायस्थों द्वारा नाग पूजा की जाती है।

कायस्थ समाज विकास कल्याण समिति के अध्यक्ष महेश नारायण श्रीवास्तव ने बताया कि इस अवसर पर मंदिर में भगवान श्री चित्रगुप्त जी के बारह पुत्रों की प्रतिमाओं की स्थापना पूजा अर्चना उपरांत की गई। इसके पश्चात श्री चित्रगुप्त कथा का वाचन, हवन, महाआरती, प्रसादी वितरण हुआ।

तो वहीं समिति के सचिव शिवनारायण सक्सेना ने चित्रगुप्त मंदिर प्रांगण में क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी द्वारा प्राप्त विधायक निधि से निर्माणाधीन चित्रगुप्त धर्मशाला का अवलोकन समाज के वरिष्ठ व उपस्थित समाज जनों को कराते हुए आगामी रूपरेखा से अवगत कराया। मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कायस्थ जन उपस्थित रहे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने 3 नए कानून एवं सिविल डिफेंस तैयारियों के संबंध में दिए निर्देश

एमएलसी शत प्रतिशत की जाए, ई-सम्मन की तामीली भी कराई जाए : कंसोटिया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मेडिको लीगल सर्टिफिकेट (एम एल सी) की तामिली शत प्रतिशत कराई जाए। मेडिको लीगल सर्टिफिकेट एक मेडिकल रिकॉर्ड है जो कानून द्वारा तब आवश्यक होता है जब किसी व्यक्ति की संदिग्ध आत्महत्या के प्रयास आघात हमले या दुर्घटनाओं जैसी घटनाओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। एमएलसी चिकित्सा पद्धति का एक अभिन्न अंग है। इसका सामना अक्सर मेडिकल ऑफिसर व चिकित्सक करते हैं। सभी एमएलसी शत प्रतिशत की जाए। रिपोर्टिंग शत प्रतिशत हो। वैसे ही ई सम्मन की तामिली भी शत प्रतिशत कराई जाए। उक्त निर्देश अपर मुख्य सचिव गृह श्री जेएन कंसोटिया ने आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में दिए। वीडियो कांफ्रेंस में प्रदेश के सभी संभाग के कमिश्नर एवं कलेक्टर्स उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव श्री कंसोटिया ने कहा की सभी अस्पतालों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम बनाए जा रहे हैं। इन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम से चिकित्सक अपना बयान कोर्ट में दर्ज करा सकेंगे। इससे चिकित्सकों का समय बचेगा और वे वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से ही अपना स्टेटमेंट कोर्ट को प्रस्तुत कर

सकेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम बनने से डॉक्टर को कोर्ट नहीं जाना पड़ेगा बल्कि उनका काम आसान होगा। जब तक कॉन्फ्रेंसिंग रूम का निर्माण नहीं हो जाता तब तक चिकित्सक कलेक्टर के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम से कोर्ट के समक्ष अपनी गवाही दे सकेंगे। अपने बयान दर्ज करा सकेंगे।अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए की ई सम्मन की तामिली भी शत प्रतिशत कराई जाए। उन्होंने कहा कि कार्य को आसान करने के लिए ई सम्मन की व्यवस्था की गई है लेकिन अब यह देखने में आ रहा है की मात्र 30त्न ई सम्मन की तामिली हो पा रही है। वही फिजिकल ई सम्मान की तामिली 90त्न तक हो रही है। उन्होंने ई तामिली कराने वाले अधिकारी की नियुक्ति भी समय पर करने के निर्देश दिए।

डीजी होम गार्ड प्रज्ञा श्रीवास्तव ने सिविल डिफेंस के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव श्री कंसोटिया ने सिविल डिफेंस के तहत अधिकारियों , वॉलिंटियर्स और एक्स सर्विस मैन की ट्रेनिंग कराने के निर्देश दिए और कहां की तत संबंध में एक वर्कशॉप भी आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि समय-समय पर मार्क ड्रिल भी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने वर्तमान में मध्य प्रदेश के 5 जिले को चिन्हित किया है जहां पर मार्क ड्रिल की जानी है। उन्होंने अति वर्षा की संभावना को देखते हुए डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड एवं जवानों को सतर्क रहने के निर्देश दिए और कहां की वे अपने सभी संसाधन एवं उपकरण अपडेट रखें। अपर मुख्य सचिव ने जिला बाढ़ समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान अपर मुख्य सचिव ने तीन नवीन कानून की समीक्षा की तथा अपराधी के विधि प्रशासन हेतु बनाए गए सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन तथा सिविल डिफेंस की तैयारी की जानकारी ली।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान आयुक्त कार्यालय के एनआईसी कक्ष में नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी प्रशांत खरे , उपायुक्त राजस्व श्री गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर उपस्थित थे, तथा कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरु करण सिंह, अपर कलेक्टर डीके सिंह सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

माहेश्वरी समाज ने धूमधाम से मनाई महेश नवमी, शिवजी का हुआ महाभिषेक

गंजबासौदा। स्टेशन रोड स्थित होटल पुखराज में महेश नवमी पर्व बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर माहेश्वरी समाज के सभी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भगवान शिव की पूजा-अर्चना के बाद भव्य महाअभिषेक किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव से भाग लिया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें विशेष रूप से शिव भक्ति पर आधारित नृत्य कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। भक्तिरस में डूबे इस आयोजन में सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें सभी समाजजनों ने एक साथ प्रसाद ग्रहण कर भगवान भोलेनाथ की आराधना की। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष राजेश माहेश्वरी ने कहां की आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता, श्रद्धा और सांस्कृतिक मूल्यों का संचार करना रहा। इस पावन आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ, युवा व बच्चे उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक ने पौधारोपण किया

नर्मदापुरम। गुरूवार को विश्व पर्यावरण के दिवस के अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम मिथिलेश कुमार शुक्ला द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शासकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय नर्मदापुरम में पौधारोपण किया गया। उक्त अभियान के तहत चिकित्सालय के आर.एम.ओ. डॉ. एस.आर. करोंजिया एवं डॉ.सविता पुष्कर तथा स्टाफ नर्स सुरभि पाटोदे एवं किरण भारती एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा भी परिसर में पौधे रोपित किए गए।

पौधारोपण पर विचार व्यक्त किए

नर्मदापुरम। स्थानीय नेहरू पार्क में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच द्वारा पर्यावरण दिवस मनाया गया इस उपलक्ष में समाजसेवी प्रीति साहू द्वारा बेलपत्र का पौधा देकर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया. डॉ मयंक तोमर द्वारा प्रस्तावित इस कार्यक्रम में पर्यावरण विषयक गोष्ठी रखते हुए आज की महती आवश्यकता पौधारोपण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसके संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए. डॉक्टर डॉक्टर आदिल फ़ाज़ली ने रेन वॅस्टर की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर पालिका को इस और ध्यान देना चाहिए डॉ सुरेंद्र जी सिंह ने कहा कि संस्था की तरफ से भी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए जयशंकर तिवारी ने पर्यावरण के लिए पौधारोपण पर अपने विचार व्यक्त किए बद्री प्रसाद कौरव ने गौशाला में पौधारोपण करने का प्रस्ताव रखा.

पंचतत्व समिति ने किया पौधारोपण

गंजबासौदा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पंचतत्व संरक्षण समिति ने वार्ड 7 में दो पौधों का पौधारोपण किया। जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी निवासी प्रमोद शर्मा ने ली उन्होंने उनकी सुरक्षा के 2 ट्री गार्ड की व्यवस्था भी की। साथ ही नए बस स्टैंड पर स्थित श्री बालाजी फ्यूल्स पर पंचतत्व के सहयोग से पेट्रोल पंप के मालिक मुकेश सिंह और देशांत सिंह ने 12 किस्म के द्य पौधे आम, पीपल, बादाम, सप्तपर्णी, अशोक, पाखर किस्मों के पौधे भेंट किए। इस अवसर पर पंचतत्व के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी, प्रमोद सिंह राजपूत, मोहर सिंह, राजेश दांगी , प्रमोद शर्मा उदयपुर उपस्थित थे।

खेड़ावाल ब्राह्मण समाज ने लगाए पौधे

नर्मदापुरम। विश्व पर्यावरण दिवस पर गुजराती बाज खेडावाल ब्राह्मण समाज नर्दापुरम ने प्रकृति को हरियाली की चादर उड़ाने के उद्देश्य से फेफरताल स्थित एक खेत पर पौधारोपण किया। पौधारोपण के दौरान समाज के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री जोशी के अलावा सौरभ तिवारी अनुराग दुबे अरविंद दुबे और और मातृशक्ति से श्रीमती अंजलि दुबे, एकता दुबे, श्रीमती अशोक दुबे, श्रीमती अरविंद दुबे के साथ नन्ही बालिकाएं मौजूद रही ।

सागौन की अवैध कटाई, परिवहन मामले में 15 आरोपी गिरफ्तार

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

25 मार्च को नंदरबाड़ा के पेट्रोल पंप के पास एक पिकअप वाहन में अवैध लकड़ियों का परिवहन किया जा रहा था। गाड़ी पंचर होने के कारण आरोपी लकड़ी की लट्ठे छोड़कर भाग गए थे जांच में पता चला की वन परिक्षेत्र बानापुरा (सामान्य) के अंतर्गत आने वाली बीट बोरकुंडा में सागौन की अवैध कटाई हुई थी। जंगल से अवैध सागौन के पेड़ों की कटाई और परिवहन के मामले में वन विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 13711 / 08 दर्ज किया गया था।

इस प्रकरण में संलिप्त 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर नियमानुसार आवश्यक विभागीय कार्यवाही उपरांत अपराधियों को न्यायालय मे प्रस्तुत किया।

प्रकरण में प्रयुक्त वाहन बोलोरो पिकअप को पहले ही जप्त कर लिया गया था। जिसकी राजसात की कार्यवाही प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमंडल अधिकारी, सिवनी मालवा के कार्यालय में प्रचलित है। इसके अतिरिक्त अपराध में प्रयुक्त अन्य वाहन मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार एवं एक पल्सर मोटरसाइकिल को आज जप्त किया गया है, जिनकी राजसात की कार्रवाई प्रस्तावित किया जाना है। यह कार्यवाही मुख्य वन संरक्षक श्री अशोक कुमार (वृत्त नर्मदापुरम), वन मंडल अधिकारी श्री मयंक गुर्जर के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में, तथा उपवन मंडल अधिकारी सिवनी मालवा के नेतृत्व में परिक्षेत्र बानापुरा के वन अमले द्वारा की गई।

वहीं 29 मई को ग्राम शिरुपुरा के पास अवैध रूप से सागौन ले जाते वक्त पलटे ट्रैक्टर हादसे में एक विकलांग आदिवासी युवक की मौत के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

सिवनी मालवा नगर पालिका को मुख्यमंत्री ने किया पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद सिवनी मालवा द्वारा प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर नगर पालिका परिषद को मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,मध्य प्रदेश शासन द्वारा मध्य प्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार वर्ष 2022- 23 के लिए नगर पालिका परिषद की श्रेणी में प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रदेश स्तर पर चयनित किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री वन विभाग एवं पर्यावरण विभाग दिलीप अहिरवार की उपस्थिति में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागृह भोपाल में नपा अध्यक्ष रितेश जैन,मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमर सिंह उइके एवं नपा की टीम को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रदेश स्तर पर पर्यावरण पुरस्कार एवं 1 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा नगर पालिका को प्रदेश स्तर पर चयनित होने पर

पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया यह सिवनी मालवा के लिए बड़े गौरव की बात है।

नगर पालिका के द्वारा विगत कई वर्षों से पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां संचालित कराई जा रही है जिसमें व्यापक वृक्षारोपण एक पेड़ मां के नाम अभियान 50 वर्ष पुराने लेगसी वेस्ट कचरे का निपटान व अन्य लोक कल्याणकारी, विकासमुखी योजनाएं शामिल है जिस पर कार्य किया जा रहा है इन सभी में उत्कृष्ट कार्य करने पर हमें पर्यावरण पुरस्कार प्राप्त हुआ है हम शहर के सभी नागरिकों को बधाई देते हैं एवं आभार व्यक्त करते हैं।

मुख्य नपा अधिकारी अमर सिंह उइके ने बताया कि नगर पालिका सिवनी मालवा द्वारा मध्य प्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार हेतु आवेदन किया गया जिसमें निम्न पांच बिंदुओं पर कार्य किया गया था जिसमें 1 निकाय अंतर्गत कचरे के उचित निपटान हेतु प्रसंस्करण इकाइयों का प्रबंध,कंपोस्टिंग प्लांट - गीले कचरे के प्रसंस्करण एवं निपटान हेतु गीले कचरे से प्रतिवर्ष 185 क्विंटल जैविक खाद का निर्माण, एमआरएफ सेंटर - सूखे कचरे के निपटान हेतु, सी × डी वेस्ट सेंटर , फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कर उचित प्रबंध - मुक्तिधाम के पीछे 50 वर्ष पुराने लेगसी वेस्ट कचरे के निपटान हेतु 21207 टन कचरे का डंपसाइड रिमिशन का कार्य पूर्ण किया गया है। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में निकाय द्वारा 415 एलईडी बल्ब एवं 1240 पावर सेवर लगाकर ऊर्जा की बचत हेतु कार्य किया। पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं जन जागरूकता कर 7380 पौधे लगाकर पौधारोपण कार्य किया।

मेट्रो एंकर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कहा

'अगर आने वाले कल को सुरक्षित करना है तो हमें पेड़ लगाने ही होंगे'

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बरेठ रोड स्थित सेवाकेंद्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने कहा कि प्रकृति ने हमारी जरूरत के मुताबिक सब कुछ दिया है लेकिन जब हम लोभवश उसका अत्यधिक दोहन करने लगते हैं तब समस्या शुरू होती है। हमें पानी की कीमत तब पता चली जब वह बोतल में बिकने लगा। इसी प्रकार आक्सीजन का महत्व हमें कोविड के दौरान पता चली। आज दृढ़ संकल्पित होने की जरूरत है कि हम प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। जल, जंगल, जमीन और जानवरों की सुरक्षा से ही पर्यावरण सरंक्षण संभव है। उन्होंने बतलाया कि प्रकृति के साथ-साथ मन के प्रदूषण को भी खत्म करने की जरूरत है। किसी के घर में जन्म दिवस होने पर उसके नाम से एक पेड़ जरूर लगाएं। जिस प्रकार प्रकृति सदा हमें निस्वार्थ भाव से देती ही रहती है, वैसे ही हमें भी अपनी उन्नति के लिए हमेशा दूसरों को देने की भावना रखनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि बाहर की स्वच्छता के साथ हमें अपने मन की बुराइयों का कचरा भी साफ करना चाहिए क्योंकि मन के शुभ विचार प्रकृति

तक पहुंचते हैं। मानव जीवन का अस्तित्व वृक्षों पर निर्भर है। मनुष्य को जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन तथा पानी अति आवश्यक है। वनस्पति ही ऑक्सीजन का प्राकृतिक स्रोत है। ऑक्सीजन अति आवश्यक है इसके बिना जीवन कि कल्पना संभव नहीं है। इसलिए इसे प्राणवायु कहा जाता है। हमारे वातावरण में प्राणवायु का स्तर सामान्य बना रहे है इसके लिए पेड़ पौधे का संरक्षण आवश्यक है। अपने मुख्य वक्तव्य में ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कहा कि हमें गर्मी लग रही है तो हम तुरंत ऐसी खरीदकर लाते है लेकिन ये नहीं सोचते की हम कम से कम आने वाले कल को सुरक्षित रखने के लिए तो पेड़ लगाये। लेकिन आने वाले समय में हम ऐसी लगाकर भी सुरक्षित नहीं रह सकेंगे, हमें धरती को बचाना है तो पेड़ लगाने ही होंगे?। आगे दीदी ने कहा आध्यात्म और प्रकृति दोनों का आपस में बहुत गहरा सम्बन्ध है। प्राचीन काल से समय प्रति समय हम प्रकृति को देवतुल्य मानकर उनकी पूजा करते आ रहे है। लेकिन आज हमारी भावानये शून्य हो गई है। हम आधुनिकरण के लिए जंगल के जंगल काटते जा रहे है लेकिन नए पौधे नहीं लगा रहे है। प्रकृति पुरुष और परमात्मा का बहुत गहरा सम्बन्ध है। कार्यक्रम के अंत में नन्दनी बहन ने सभी से पर्यावरण सुरक्षा के लिए प्रतिज्ञा करवाई, अनु बहन ने नारे लगवाए। प्रकृति के लिए शुभ संकल्प एवं कृतज्ञता के भाव का महत्व बताते हुए मेडिटेशन करवाया एवं परमात्मा की शक्तियों से पर्यावरण को योगदान देने का अभ्यास कराया अंत में सभी को पौधे गिफ्ट किए गए।

पर्यावरण दिवस प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने का आव्हान करता है : डॉ.तोमर

नर्मदापुरम. वृक्ष मित्र एवं पर्यावरण विद् डॉ. मयंक तोमर ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम है प्लास्टिक प्रदूषण को हराना। प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करता है। कोरिया गणराज्य विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की मेजबानी करेगा जिसका फोकस वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर होगा।

गांव में श्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ के साथ भंडारे का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

ग्राम महादेवखेड़ी में आयोजित श्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ का विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। इस अवसर कार्यक्रम में भाजपा विधानसभा सहप्रभारी सोना सप्रे भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुई। गौरतलब है कि इस धार्मिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण उत्पन्न कर दिया, जिसमें सेकेंडों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। यह कार्यक्रम 30 मई से प्रारंभ हुआ था जो गुरुवार विशाल भंडारे के साथ संपन्न हुआ। वही वेद मंत्रों की गूंज, यज्ञ की अग्नि, और श्रीराम दरबार की भव्य झांकी ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन गांव के प्राचीन मंदिर प्रांगण में किया गया, जिसे विशेष रूप से सजाया गया था। इस अवसर सोना सप्रे ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बाँधते हैं और हमारी

सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करते हैं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने का अवसर मिलता है। ग्रामीण मोहन शर्मा ने कहा कि इस महायज्ञ के दौरान रामचरितमानस पाठ, सुंदरकांड पाठ, संगीतमय श्री भागवत कथा, भजन-संध्या आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधानसभा सहप्रभारी का स्वागत किया और गांव के विकास कार्यों को लेकर अपनी अपेक्षाएं भी रखीं। उन्होंने जनसरोकार से जुड़े मुद्दों पर शीघ्र कार्य कराने का आश्वासन दिया। वही इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रशांत पालीवाल, मंडल महामंत्री शिवराज रघुवंशी, मोहित रघुवंशी, मोहन शर्मा, सरपंच गुड्डू दांगी, मलखान सिंह सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग करने वालों पर कार्रवाई

खाद्य आपूर्ति विभाग के अमले ने मारा छापा, 32 सिलेंडर जप्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

घरों में खाना बनाने के लिए उपयोग होने वाले गैस सिलेंडर बड़े पैमाने पर होटल ,रेस्टोरेंट ढाबे, एवं चाय नाश्ते की दुकानों पर खुलेआम इनका इस्तेमाल करके शासन को क्षति पहुंचाने का काम किया जा रहा था इनका प्रयोग करने वाले दुकानदारों पर बड़ी कार्रवाई गुरुवार को खाद आपूर्ति विभाग के अमले ने मिलकर व्यापक कार्रवाई करते हुए 17 दुकानदारों के यहां से 32 सिलेंडरों को जप्त किया है जिनकी कीमत 97600 रुपए के है । अवैध रूप से कमर्शियल रूप में उपयोग करते हुए मिले सिलेंडरों को गैस एजेंसी के गोदाम में रख पाए गए हैं 17 दुकानदारों के ऊपर एडीएम कोर्ट में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए प्रकरण बनाकर दिए जाएंगे जहां से आगे की करवाई से साथ जुर्माना भी किया जा सकता है। इस कार्रवाई की भनक लगते ही घरेलू सिलेंडर दुकानों में प्रयोग करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया दुकानदार कुछ समझा पाते इससे पहले ही पूरे जिले मैं तैनात सहायक कनिष्ठ खाद्य पूर्ति अधिकारियों की टीमों ने होटल रेस्टोरेंट चाय नाश्ते की दुकानों पर छापा मार कार्रवाई करते हुए इनको अपने कब्जे में

ले लिया। प्रशासन ने दुरुपयोग करने वलों पर बड़ी कार्रवाई की है होटल चाय नाश्ता रेस्टोरेंट के लिए कमर्शियल सिलेंडर आते है यह सिलेंडर थोड़े महंगे पड़ते हैं अपना फायदा करने के लिए घरेलू उपयोग करके शासन को क्षति पहुंचाने कार्य करते हैं साथ ही इन सिलेंडर का उपयोग इस तरह से करने से दुर्घटनाएं होने की संभावना अधिक होती इसलिए इन सिलेंडर उपयोग केवल घरेलू कार्य के लिए किया जा सकता है पर इनका खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है। एडीएम अनिल डामोर के निर्देश में जिला खाद्य पूर्ति अधिकारी ने घरेलू सिलेंडरों का उपयोग व्यवसायिक में करने वाले दुकानदारों पर छापामार कार्रवाई के लिए टीम बनाई इसमें विदिशा, बासौदा ,कुरवाई ,नटेरन ,लटेरी के साथ सिरोंज के अधिकारी की टीम बनाई थी ।

टीमों ने बस स्टैंड से अपनी कार्रवाई प्रारंभ करते हुए अधिकारी अलग-अलग दुकानों पर एकदम से पहुंचकर इन सिलेंडरों को उठाया इससे पहले कोई दुकानदार समझ पाता इनके ऊपर कारवाई करने के लिए अधिकारी पहुंच गए 17 दुकानदारों के खिलाफ खाद्य वस्तु अधिनियम की धाराओं कार्रवाई के लिए पंचनामा बनाया गया दुकानों पर मिले सिलेंडरों को

हीरा गैस एजेंसी के लोडिंग वाहन में रखवा कर गोदाम भेजो भेजे गए लिंक रोड छतरी नेक तक टीम ने कार्रवाई की कई रेस्टोरेंट संचालकों के द्वारा अंदर इनका उपयोग किया जा रहा था जिनको टीम ने पहुंचकर पकड़ लिया।सहायक खाद आपूर्ति अधिकारी एस एस नकवी ने बताया कि कमर्शियल क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों उपयोग करनेपर करवाई करते हुए कुल 17 दुकानदारों के यहां से 32 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किए गए हैं। कार्रवाई के लिए प्रकरण भी बनाए गए हैं अच्छे अधिकारियों ने मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया है आगे भी जांच करके घरेलू सिलेंडर का उपयोग यदि व्यावसायिक रूप में करते हुए पाया जाएंगे तो आगे भी कार्रवाई करेंगे।

बड़े-बड़े दुकानदार करते हैं दुरुपयोग

सरकार के द्वारा होटल-रेस्टोरेंट भोजनालय चाय की दुकानों के लिए कमर्शियल सिलेंडर दिए जाते हैं पर बस सिलेंडर में सिलेंडर थोड़े महंगे पढ़ते हैं इसी फायदे के लिए घरेलू सिलेंडर का उपयोग नगर में हो रहा है जिनके कारण कई बार आग लगने की घटनाएं भी सामने आ चुकी है इसके बाद भी घरेलू गैस सिलेंडरों का दुकानों में उपयोग करने वाली नहीं होती सी बात का फायदा उठाते हैं इसमें कई नाम ही दुकानदार अभी सम्मिलित है जो पूर्ण रूप से सक्षम है फिर भी यह वेबसाइट सिलेंडर उपयोग नहीं करते हैं ऐसा करनेवाले बड़े दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई करनी होगी तभी इनका उपयोग बंद होगा जब तक छापा मार करवाई रही तब तक कई दुकानों में ताले लगे रहे अधिकारियों के जाने के बाद फिर इनका प्रारंभ हो गया और इतनी बड़ी कार्रवाई के बाद भी घरेलू सिलेंडर लगाकर काम करते हुए कई दुकानदार नजर आए।

बरमान से लौट रहे पथरिया के पटेल परिवार की कार का टायर फटा, 2 गंभीर घायल, जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बरमान से पथरिया लौट रहे पटैल परिवार की टीयूव्ही का टायर नगर से 5 किलोमीटर दूर नरगुंवा की टेक पर शाम 5.30 बजे फट गया जिससे कार सडक पर पलटती हुई नीचे जा पहुंची हादसे में परिवार के दो बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने बताया कि हम लोग बरमान से स्नान करके वापिस पथरिया जा रहे थे लेकिन तेंदूखेड़ा के पास कार का टायर फट गया जिसमें रामप्रसाद पिता पर्वत पटैल 80, सरजू प्रसाद पिता पर्वत पटैल 68 गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें 108 की मदद से नगर के स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडीकल कांलेज रिफर किया गया हैं। कार में 6 लोग सवार थे जिनमें 3 बच्चे एवं तीन बुजुर्ग दो लोगों को छोड़कर किसी को भी कोई चोट नहीं आई हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

दलित से की मारपीट, मामला दर्ज

सिरोंज। बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में सुनील अहिरवार की पत्नी भूरी बाई ने पुलिस एसडीपीओ कार्यालय पहुंचकर आवेदन पत्र सौंपा जिसमें उल्लेख किया गया है कि दिनांक 27/5/2025 को ग्राम ललितपुर तहसील सिरोंज जिला विदिशा मैं मेरे पति सुनील अहिरवार को कुछ गांव के दबंग लोगों ने रात्रि में अकेला पाकर उसे बहुत बेरहमी से पीटा गया है जिससे सुनील अहिरवार के दोनों पैर तोड़ दिये गये जिसको सिरोंज से विदिशा सरकारी अस्पताल में रेफर किया गया था वहां पर भी इलाज ना कराने की वजह से प्रायवेट अस्पताल में दोनों पैरों में आपरेशन के द्वारा राटें डालकर घर भेज दिया था वहीं दिनांक 2/6/2025 को सुनील अहिरवार द्वारा बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं से संपर्क कर उसको न्याय दिलाने की गुहार लगाई डॉक्टर लखपत सिंह ठकरेले ने अपने साथियों के साथ पहुंचकर सुनील अहिरवार को सिरोंज के शास्कीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और सुनील अहिरवार की पत्नी एवं बहन के साथ जाकर पुलिस एसडीओपी की अनुपस्थिति में उनके बाबू को आवेदन पत्र देकर आरोपीयों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई वहीं पुलिस द्वारा आश्वासन दिया गया कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। वहीं समाज के लोगों ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम सभी एसपी कार्यालय का घेराव करेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर लखपत सिंह, हरिनारायण मौर्य विधानसभा प्रभारी शमशाबाद, बसपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ईद मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के पुलिस थाना में शाम 5 बजे से बकरीद मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एसडीएम सौरभ गंधर्व ने मुस्लिम समाज के लोगों से कहा कि आप लोगों का कोई सुझाव हो तो बताएं जिस पर सभी ने कहा कि पूर्व वर्षो की तरह इस वर्ष भी त्यौहार शांति पूर्वक मनाएंगे सुबह 9 बजे नमाज अता दी जाएंगी प्रशासन का सहयोग हर बार रहता हैं हमें कोई परेशानी नहीं हैं। एसडीएम ने नगर परिषद को साफ-सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था ईद के दिन बनाएं रखने के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार विवेक व्यास, एसडीओपी देवीसिंह ठाकुर, नगर निरीक्षक नितेश जैन, अब्दुल अजीज खान, अब्दुल खलील, शोएब खान, सलीम खान, भूरा खान, हैदर हुसैन जाफरी, नगर परिषद उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, रमेश तिवारी, दिब्बन जैन, गनेश राय, गोविंद यादव, चेतन जैन, प्रहलाद ठाकुर आदि मौजूद रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ग्राम इकौदिया और परसौरा में किसानों को उन्नत खेती के तरीके बताए

सिरोंज। किसान की आय बढ़ाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान प्रारंभ किया गया है ।इसमें उन्नत खेती करने के अलावा मछली तथा पशु,पालन से अपनी आय बढ़कर आमदनी कैसे कर सकते हैं। जानकारी देने के लिए अभियान प्रारंभ किया गया अभियान के तहत पर गुरुवार को परसौर ओर इकोदिय में विकसित कृषि संकल्प कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें एसडीएम हर्षल चौधरी भी शामिल उन्होंने यहां पर मौजूद कृषि विज्ञानों को से कहा कि यहां किसानों को जिस भाषा में बात समझा में आए उस सरल भाषा में उन्नत खेती और मछली पालन के अलावा अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी देकर किसानों को समृद्ध बनाने और नहीं तकनीक उन्नत खेती के बारे में बारीकी से जानकारी दें कई वैज्ञानिकों ने खेती के तरीकों में हो रहा है बदलाव खाद डालने बीज डालने और दबाव के उपयोग कितनी मात्रा में करना है उसके बारे में जानकारी दी इसके अलावा कुछ किसानों को मछली पालन करने के लिए प्रेरित करते हुए कृषकों को मछली पालन / पशु पालन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी दी गई। प्रत्येक गाँव में न्यूनतम 4-4 कृषकों को मछली पालन अपनाने हेतु बोला गया जिससे और अधिक कृषक इनसे सीखें एवं अपनी आय में वृद्धि करें। कृषि विस्तार अधिकारी वीरेंद्र मालवीय ने भी अभियान और खेती की नई तकनीक के बारे में वैज्ञानिकों दी जा रही जानकारी के हिसाब से खेती कार्य करने पर जोर दिया।

नगर के माहुला पुल के नीचे मिला युवक का शव, मौत का कारण अज्ञात, जॉच में जुटी पुलिस

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

सुबह माहुला पुल के नीचे एक शव मिलने से लोगो में सनसनी फैल गई। जिसके बाद लोगो ने तेंदूखेड़ा पुलिस को लगभग सुबह 9 बजे सूचना दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की जॉच की साथ ही मृतक व्यक्ति की सिनाख्त के लिए सोसल मीडिया का सहारा लिया गया इसके बाद व्यक्ति की पहंचान की गई। जिसमें पाया गया है कि बल्लू पिता सुम्मेर सिंह गौड 42 निवासी देवरी निजाम थाना तेंदूखेड़ा का निवासी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बल्लू हमेंशा दो दो दिन के लिए घर से गायब हो जाता था। साथ ही शराब अधिक पीता था। इसबार भी मंगलवार के दिन बल्लू घर से गया था लेकिन गुरूवार को उसका शव पुल नीचे मिला है। परिजनो ने बताया गया कि बल्लू की किसे से कोई भी दुशमनी नहीं है। थोड़ा मानसिक तौर पर बीमार था। युवक की मौत कैसे हुई है ये

स्पष्ट नहीं है। किसी भी प्रकार की चोटे भी नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही खुलासा होगा कि मौत कैसे हुई है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया गया। साथ ही पुलिस ने मर्ग क्रमाक 30@25 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

मेट्रो एंकर राजस्व विभाग की जमीन पर खेती करने से रोक रहा टाइगर रिजर्व का वन अमला

नौरादेही विस्थापन क्षेत्र में शामिल ग्राम के लोगों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेडा, दोपहर मेट्रो

नौरादेही विस्थापन क्षेत्र में शामिल ग्राम माधो एवं सर्रा के लोगों को वन विभाग द्वारा राजस्व भूमि पर खेती करने से रोका जा रहा है जबकि जमीन से जुड़े तमाम दस्तावेज किसानों के पास है इसके बाद भी उनको खेती करने नहीं दिया जा रहा है इसी संबंध में पीड़ित किसानों ने तहसील कार्यालय तेंदूखेड़ा पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी तहसील तेंदूखेड़ा को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई है की आए दिन वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा हम लोगों को खेती कार्य करने से रोका जा रहा है जबकि इस जमीन पर हम लोग बरसों से खेती-बाड़ी का कार्य करते आ रहे हैं जिससे हमारे परिवार का पालन पोषण होता है लेकिन आज वन विभाग द्वारा हम लोगों को आए दिन परेशान किया जा रहा है।

पीड़ित किसानों का कहना है कि जब हम लोगों के पास जमीन से जुड़े सभी दस्तावेज उपलब्ध है तो वन विभाग राजस्व विभाग की जमीन पर खेती-बाड़ी का कार्य

क्यों नहीं करने दे रहा है जबकि हम लोग वन विभाग की भूमि पर काविज नहीं है ना ही किसी प्रकार का हम लोगों के द्वारा अतिक्रमण किया गया है इसके बाद भी भोले भाले आदिवासी को वन विभाग निरंतर परेशान कर रहा है दिनेश खरे सरपंच सर्रा ने बताया कि वन विभाग मनमानी तरीके से कार्य कर रहा है माधो एवं सर्रा विस्थापन क्षेत्र में शामिल है जिसके कारण वन विभाग आए दिन लोगों को परेशान कर रहे हैं वन विभाग द्वारा ग्राम माधो मैं राजस्व भूमि में चल रहे ट्रैक्टर को भी जप्त कर लिया है वन विभाग का कहना है कि अब सभी जमीन उनकी है आपको खेती-बाड़ी करने नहीं दिया जाएगा जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया कि वन विभाग को राजस्व विभाग की जमीन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए क्योंकि यह जमीन किसानों की है जिस पर उनके द्वारा वर्षो से खेती बाड़ी का कार्य किया जा रहा है तथा जमीन से जुड़े तमाम दस्तावेज किसानो के पास है इसके बाद भी वन विभाग द्वारा गलत तरीके से आए दिन हमारे लोगों को परेशान कर रहा है जो गलत है इसलिए हम सभी उच्च अधिकारियों से मांग करते हैं कि राजस्व भूमि पर काविज हमारे लोगों को निरंतर खेती-बाडी करने दी जाए जिससे उनके परिवार का पालन पोषण हो सके इस अवसर पर नोने लाल परस्ते,शंक्कू, कैलाश, रमेश पंडा, कमलेश, नंदलाल आदिवासी, सोनू, राधा रानी, कमलेश रानी, फूल वाई , ममता वाई,रेवा वाई सहित अन्य लोग उपस्थित थे

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के नाम में किया गया बदलाव, 20 जून से होगा आगाज

अब तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के नाम से जानी जाएगी भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज

लंदन, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून से होगा। इसके लिए जल्द ही भारतीय टीम रवाना होगी। इससे पहले पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के नाम में बदलाव किया गया है। इसको अब तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के नाम से जाना जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली यह सीरीज पदौटी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने बीसीसी की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी का अनावरण 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली सीरीज से पहले किया जाएगा। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हालांकि इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इससे पहले ब्रिटेन में इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज को पटौदी ट्रॉफी के लिए खेला जाता था। इसका नाम इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया था। मार्च में ईसीबी ने पटौदी परिवार को लिखा था कि वे ट्रॉफी को रिटायर करना चाहते हैं।

14 टेस्ट मैचों में आमने-सामने हुए तेंदुलकर- एंडरसन का

भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 15,921 रन के साथ टेस्ट इतिहास में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 52 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी ने 1989 से 2013 के बीच 200 टेस्ट खेले। उन्होंने टेस्ट और वनडे प्रारूपों में अनगिनत रिकॉर्ड अपने नाम किए। वहीं, एंडरसन 704 विकेट के साथ इंग्लैंड के सर्वकालिक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के साथ टेस्ट क्रिकेट में सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। दोनों दिग्गजों ने 14 टेस्ट मैचों में एक-दूसरे का सामना किया जिसमें एंडरसन ने तेंदुलकर को नौ बार आउट किया है।

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा (शेड्यूल)

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरुआत भी हो जाएगी।

पांच मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, सैम कुक, जैक क्राउली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच में नजरें केएल राहुल पर

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले केएल राहुल की नजरें लाल गेंद के प्रारूप में अभ्यास पर होंगी जब भारत ए टीम शुक्रवार से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा और आखिरी अनधिकृत टेस्ट खेलने उतरेगी। भारत के अधिकांश हिस्सों में मानसून होने के कारण राहुल ने टेस्ट टीम से पहले अभ्यास के लिये ब्रिटेन पहुंचने का फैसला किया। पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम शुक्रवार को मुंबई से रवाना होगी।

इंग्लैंड में दो शतक लगा चुके राहुल भारतीय टेस्ट टीम के सबसे सीनियर सदस्य हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से विदा ले चुके हैं। राहुल ने 58 टेस्ट में 33 . 57 की औसत से रन बनाये हैं लेकिन उन्हें अधिकांश सफलता शीर्ष क्रम में मिली है। अब देखना है कि वह इसी क्रम पर उतरते हैं या इसमें बदलाव किया जाता है।

गिल और साइ सुदर्शन को भी दूसरा चार दिवसीय मैच खेलना था लेकिन आईपीएल के कारण नहीं खेल सके। दोनों को लीड्स पर होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व सिर्फ टीम के भीतर अभ्यास मैच खेलने का मौका मिल सकेगा। टेस्ट टीम के सदस्यों में से छह ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहला मैच खेला जो ड्रॉ रहा।

तेज गेंदबाज आकाश दीप दूसरे मैच में खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन और करूण नायर ने पहले मैच में रन बनाये थे। ऐसी संभावना है कि रूतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन को इस मैच में मौका दिया जाये। तेज गेंदबाज हरफनमौला के लिये शार्दुल ठाकुर और नीतिश रेड्डी में से एक का चयन होगा। दोनों ने कैंटरबरी में पहला मैच खेला लेकिन ठाकुर ने रेड्डी से ज्यादा गेंदबाजी की। फिटनेस कारणों से रेड्डी आईपीएल में भी ज्यादा नहीं खेल सके थे। अगर एक बार फिर सपाट पिच मिलती है तो राहुल एंड कंपनी के लिये तैयारियों के लिहाज से यह अच्छा नहीं होगा।

जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

अब वर्ल्ड नंबर-1 सिनर से भिड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच ने पहले सेट में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की। जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 101वीं जीत 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में तीसरे सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव को चार सेटों में 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपनी 101वीं जीत दर्ज की है। 38 साल के जोकोविच अब सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर से भिड़ेंगे। दोनों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं, जिनमें स्कोर 4-4 है। पिछले तीन मैचों में सिनर ने जीत हासिल की है।

सिनर की ग्रैंड स्लैम में लगातार 19वीं जीत- इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 1 घंटे 49 मिनट में 6-1, 7-5, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 19वीं जीत दर्ज की है और वह अब नोवाक जोकोविच के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगे।

गौफ ने क्वार्टर फाइनल में कीज को हराया

अमेरिकी खिलाड़ी कोको गौफ ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन मेडिसन कीज को हरा दिया है। उन्होंने कीज को 6-7(6), 6-4, 6-1 से हराया। सेमीफाइनल में गौफ का मुकाबला फ्रांसीसी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी लोइस बॉइसन से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर सभी को चौंका दिया है।

14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के बड़े बोल, कहा-

अगले आईपीएल में अपनी टीम के लिए दोगुना बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा

मुंबई, एजेंसी

अपने पदार्पण सत्र में अमिट छाप छोड़ने वाले 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का कहना है कि वह अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए दोगुना बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। सूर्यवंशी ने अप्रैल में जयपुर में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 38 गेंद में सात चौकों और 11 छक्कों से 101 रन की पारी के दौरान किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक (35 गेंद में) का रिकॉर्ड बनाया था। इस तूफानी पारी के दौरान सूर्यवंशी आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम करने के अलावा 14 साल और 32 दिन की उम्र में पुरुष टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

आईपीएल की आधिकारिक वेबसाइट द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सूर्यवंशी ने कहा, आईपीएल में खेलना हर किसी के लिए एक सपने जैसा है और मुझे अपने पहले सत्र से बहुत सारी सकारात्मक चीजें मिलीं और मैंने यह भी सीखा कि मैं अगले सत्र में टीम के लिए क्या कर सकता हूं। रॉयल्स के निराशाजनक अभियान के बावजूद बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी ने व्यक्तिगत मोर्चे पर सफलता का स्वाद चखा जब मंगलवार को फाइनल के समापन के बाद उन्हें 'आईपीएल सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' का पुरस्कार दिया गया। सूर्यवंशी ने कहा, अगले साल मैं उन क्षेत्रों पर काम करूंगा जहां मैंने गलतियां की और टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। पहले सत्र से मिली सीख के बारे में बात करते हुए सूर्यवंशी ने कहा, मेरी सीख यह है कि मुझे अपने प्रदर्शन से दोगुना बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

अंडर-19 टीम में हुआ चयन

सूर्यवंशी के प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मुंबई के आयुष म्हात्रे के साथ इंग्लैंड के कई प्रारूप के दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में भी चुना गया। म्हात्रे ने आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए सफल पदार्पण किया। सूर्यवंशी ने कहा, यह एक नई प्रतियोगिता है। मैं पहली बार ब्रिटेन जा रहा हूं इसलिए यह एक नया अनुभव होगा। मैं अनुभव करूंगा कि वहां खेल कैसे चलता है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'रिलेशनशिप छिपाने में यकीन नहीं रखता', गर्लफ्रेंड गौरी पर बोले आमिर- रिश्ता स्वीकारना मुश्किल था

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान अक्सर अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जाने जाते हैं। आमिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी मुखर रहते हैं और उस पर बात करने से कतराते नहीं हैं। चाहें तलाक का मामला हो या फिर लव लाइफ का, आमिर खुलकर बात करते हैं। अब बातचीत में आमिर ने अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे गौरी ने उनकी जिंदगी में शांति और संतुलन लाया, जबकि वे खुद थोड़े एक्स्ट्रीम स्वभाव के हैं।

बातचीत के दौरान जब आमिर से पूछा गया कि गौरी ने आपको कैसे संभाला? तो आमिर ने कहा, 'देखिए, हर इंसान का दूसरों पर असर होता है। गौरी बहुत ही शांत और संतुलित हैं। मैं उनसे बिलकुल अलग हूं। मैं कभी-कभी 36 घंटे लगातार काम करता हूं और फिर उतने ही घंटे सोता भी हूं। मैं अक्सर अपने ख्यालों में खोया रहता हूं। मैं और गौरी दोनों एक-दूसरे से बहुत अलग हैं। लेकिन यही फर्क हमें एक-दूसरे की ओर खींचता है। जैसे कहते हैं 'अपोजिट्स अट्रैक्ट'। गौरी मेरी जिंदगी में शांति और संतुलन लाती हैं और मैं रिश्ते में उत्साह और खुशी लेकर आता हूं।' आमिर ने प्यार की ताकत के बारे में बात करते हुए कहा, 'प्यार ऐसी ताकत है जो हिम्मत देती है। जब आप मुश्किल में होते हैं, तब भी आप कह पाते हैं कि मैं लड़ता रहूंगा। गौरी ने मुझे ऐसा प्यार दिया है।'

मेट्रो बाजार

कीमती धातुओं पर प्रतिबंध का असर, स्विफ्ट का प्रोडक्शन रुका

नई दिल्ली। चीन की ओर से कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाने का सीधा असर दुनिया की ऑटो इंडस्ट्री पर दिखने लगा है। मारुति सुजुकी की पैरेंट कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने जापान में अपने पॉपुलर मॉडल स्विफ्ट का प्रोडक्शन रोकने का एलान किया है। वहीं, यूरोप और जापान की कई ऑटो कंपनियों ने प्रोडक्शन रोक दिया है या कभी भी रोकने की स्थिति में आ गई हैं। इसमें फोर्ड, निसान, BMW और मर्सिडीज जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसका असर भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर पर भी पड़ेगा। इसलिए अगले हफ्ते एक भारतीय दल चीन जाएगा।

ऑटो पार्ट्स की कमी से प्रोडक्शन रोकना पड़ रहा- रॉयटर्स एशिया की रिपोर्ट के अनुसार स्विफ्ट के प्रोडक्शन पर रोक 26 मई से शुरू हुई थी, जो 6 जून तक जारी रहेगी। हालांकि, इसके स्पोर्ट मॉडल का प्रोडक्शन जारी रहेगा। सुजुकी ने ऑफिशियल तौर पर इसके पीछे कोई कारण नहीं बताया है, लेकिन रिपोर्ट से पता चला है कि कंपनी ने यह कदम चीन की ओर से कीमती धातुओं पर लगाए गए प्रतिबंध के कारण ऑटो पार्ट्स की कमी के चलते उठाया है। निसान ने कहा है कि वो जापानी सरकार के साथ मिलकर स्थिति से निपटने के उपाय तलाश रहा है। निसान के CEO इवान एस्पिनोसा ने कहा, हमें भविष्य के लिए सप्लाई सोर्स के ऑप्शन खोजने होंगे और फ्लेक्सिबिलिटी बनाए रखनी होगी।

मई में सस्ती हुई थाली: सब्जियों और चिकन की कीमतों में गिरावट से राहत

नई दिल्ली। मई महीने में घरेलू रसोई पर खर्च थोड़ा कम हुआ है। क्रिसिल इंटेलिजेंस द्वारा जारी मासिक रोटी चावल दर रिपोर्ट के अनुसार, सब्जियों और ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में आई नरमी से घर की बनी थाली सस्ती हुई है। खासतौर पर मांसाहारी थाली की लागत में ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

मई 2025 में घर की बनी शाकाहारी थाली की औसत कीमत घटकर 26.2 रुपए रही, जो अप्रैल में 26.3 रुपए और मई 2024 में 27.8 रुपए थी। यह मामूली राहत मुख्य रूप से टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में गिरावट के चलते आई है:

टमाटर: 29 फीसदी सस्ता, प्याजः 15 फीसदी सस्ता, आलू: 16फीसदी सस्ता

मांसाहारी थाली पर असर ज्यादा- मांसाहारी थाली की कीमत एक साल पहले मई 2024 में 55.9 रुपए थी, जो मई 2025 में घटकर 52.6 रुपए रह गई है। अप्रैल 2025 में इसकी कीमत 53.9 रुपए थी। ब्रॉयलर चिकन, जो मांसाहारी थाली की लागत का लगभग 50त्न हिस्सा रखता है, उसकी कीमत में 6त्न सालाना और 4त्न मासिक गिरावट आई है। यह गिरावट बर्ड फ्लू के डर और मांग में गिरावट के कारण दक्षिण भारत के राज्यों महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में आपूर्ति बढ़ने के चलते हुई।

क्या कहती है रिपोर्ट - क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पूषन शर्मा ने बताया कि सब्जियों की कीमतें आने वाले महीनों में मौसमी प्रभावों के चलते बढ़ सकती हैं, जबकि गेहूं और दालों में घरेलू उत्पादन अच्छा रहने से कुछ राहत बनी रह सकती है।

हाउसफुल 5 पहले ही दिन दमदार कमाई के लिए तैयार

अक्षय कुमार को मिलेगी पिछले 4 साल की सबसे बड़ी ओपनिंग!

साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक हाउसफुल 5 शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हो गई है। फिल्म के टीजर, ट्रेलर और गानों को जनता से मोस्टली पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि थिएटर्स में इस फिल्म को एक सॉलिड शुरुआत मिल सकती है। हाउसफुल 5 के लीड स्टार अक्षय कुमार पिछले 4 साल से जिस तरह स्ट्रगल कर रहे हैं, वो उनके फैन्स ही नहीं, फिल्म बिजनेस को भी हर्ट कर रहा है। लेकिन हाउसफुल 5 को जैसी एडवांस बुकिंग मिली है उससे उम्मीद की जा रही है कि फाइनली ये फिल्म अक्षय के लिए बॉक्स ऑफिस से गुड न्यूज लेकर आने वाली है।

हाउसफुल 5 के लिए एडवांस बुकिंग लगभग एक हफ्ते पहले शुरू हो गई थी। शुरुआत में फिल्म के टिकट बहुत स्लो स्पीड से बुक होने शुरू हुए जिसकी वजह से ट्रेड एक्सपर्ट्स को भी इसकी बॉक्स ऑफिस परफॉरमेंस पर शक हो रहा था। मगर रिलीज से एक दिन पहले, गुरुवार को बुकिंग ने रफ्तार पकड़ी और दिन के अंत तक हाउसफुल 5 की एडवांस बुकिंग एक सॉलिड आंकड़े तक पहुंच गई।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, हाउसफुल 5 के पहले दिन के लिए 1 लाख 76 हजार से ज्यादा टिकट एडवांस में बुक हुए हैं। इस बुकिंग से फिल्म ने करीब 8 करोड़ रुपये का एडवांस ग्रॉस कलेक्शन भी कर लिया है। नेशनल मल्टीप्लेक्स चेन्स की बात करें तो यहां फिल्म के लिए 94 हजार से ज्यादा टिकट एडवांस में बुक हुए हैं। इस साल बॉलीवुड फिल्मों की एडवांस बुकिंग देखें तो सबसे बड़ी बुकिंग विक्की कौशल स्टारर छावा की रही थी।

रेड-2 के 93 हजार टिकट एडवांस हुए थे बुक

हाउसफुल 5 की बुकिंग के सबसे करीब अजय देवगन की रेड 2 के आंकड़े हैं। इस फिल्म के लिए नेशनल चेन्स में लगभग 93 हजार टिकट एडवांस में बुक हुए थे और ओपनिंग 19 करोड़ से ज्यादा थी। रेड 2 के मुकाबले हाउसफुल 5 की बुकिंग थोड़ी ज्यादा है। इस आधार पर अनुमान लगाया जा सकता है कि अक्षय की फिल्म को पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कम से कम 18-19 करोड़ की रेंज में ओपनिंग तो मिलने ही वाली है। लॉकडाउन के बाद अक्षय को सबसे बड़ी ओपनिंग 2021 में आई सूर्यवंशी से मिली थी जिसने पहले दिन 26 करोड़ रुपये से ज्यादा ओपनिंग कलेक्शन किया था। जबकि उनकी ही स्काईफोर्स, बड़े मियां छोटे मियां और राम सेतु जैसी फिल्मों का ओपनिंग कलेक्शन 15-16 करोड़ की रेंज में रहा है।

पति की प्रताड़ना से परेशान नवविवाहिता ने जहर खाकर की आत्महत्या

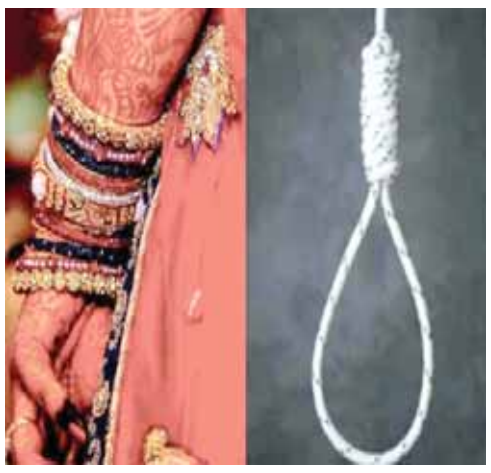

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी नगर पुलिस ने करीब 17 दिन पूर्व जहरीला पदार्थ पीकर नवविवाहिता के आत्महत्या मामले में पति के खिलाफ प्रताड़ित करने व आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच एसीपी ने की थी। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी पत्नी को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। उसके किसी अन्य महिला से भी संबंध थे। पुलिस के मुताबिक लाऊखेड़ी गांधी नगर निवासी रिया धानक (21) ने करीब तीन साल पहले मोहल्ले में रहने वाले जगदीश धानक से प्रेम-विवाह किया था। उनका एक बेटी है। विगत 19 मई को रिया ने कोई जहरीला पदार्थ पी लिया था। पति ने गंभीर हालत में उसे चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान रिया की मौत हो गई थी। बेहोश होने के कारण महिला के मृत्युपूर्व बयान नहीं हो सके थे। नवविवाहिता की मौत से जुड़ा मामला होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को जांच के लिए सौंपी गई थी। करीब 17 दिन चली जांच के बाद पुलिस ने रिया के पति जगदीश धानक के खिलाफ प्रताड़ित करने व आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी जगदीश धानक आए दिन पत्नी से मारपीट करता था। पत्नी को संदेह था कि पति के किसी अन्य महिला से संबंध हैं।

मंगलवारा पुलिस ने नाबालिग समेत चार को दबोचा, कैमरा, लैंस, ड्रोन व लैपटॉप समेत 10 लाख का माल जब्त

शादी में वीडियोग्राफी कराने के नाम से बुकिंग कर ठगी करने वाले गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शादी और पार्टियों में वीडियोग्राफी की बुकिंग कराने के नाम पर कैमरा, लैंस, ड्रोन व लैपटॉप आदि सामान की ठगी करने वाले नाबालिग समेत 4 आरोपियों को मंगलवारा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी सिलवानी जिला रायसेन के हैं और फोटोग्राफी से जुड़े हैं। उनके पास फोटोग्राफी का सामान नहीं था इसलिए आरोपियों ने फोटोग्राफर और उसकी टीम से ठगी की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई थी। आरोपियों के कब्जे से कैमरा, लैंस, ड्रोन व लैपटॉप समेत 10 लाख का माल जब्त किया गया है।

थाना प्रभारी अजय सोनी ने बताया कि कनवास थाना करेली जिला नरसिंहपुर निवासी अनिकेत चौधरी (23) शादी व पार्टियों में फोटोग्राफी का काम करता है। विगत 25 मई को एक व्यक्ति ने कॉल कर बताया कि वह भोपाल से अनुराग कर्मा बोल रहा है और उसे अशोका गार्डन में शादी की शूटिंग करवानी है। बातचीत के बाद 42 हजार रुपए में शूटिंग करना तय हुआ। इसके बाद 28 मई को क्यूआर कोड पर पांच हजार रुपए एडवांस ऑनलाइन भेजे गए। अनुराग ने कहा कि एक व दो जून को कार्यक्रम होगा। अनिकेत ने मैसेज किया कि हम पांच लोग जनशताब्दी से रानी कमलापति स्टेशन आएंगे। एक जून को अनिकेत अपनी टीम अनमोल मेहरा, हरिओम चौधरी, प्रकाश रैकवार और गणेश जाटव के साथ रानी कमलापति स्टेशन पहुंच गया और वहां से अनुराग को फोन लगाया।

तो उसने अपने भाई को लेने भेज दिया। स्टेशन के बाहर रूपेश मिला। सभी लोग टैक्सी कार में सवार हो गए। रूपेश उन्हें श्री सांई राम होटल ब्रिज के पास मंगलवारा के रूम नंबर 103 में ले गया। उसने शूटिंग का सामान लैंस, कैमरा, लाइट व स्टैंड, लैपटॉप, कपड़ों के बैग व पर्स आदि सभी सामान कमरे में रखवा दिया। उसके बाद रूपेश होटल के कमरे में ताला लगाकर फोटोग्राफर की टीम को खाना खिलाने ऑटो से पुराना बस स्टैंड स्थित पंचवटी भोजनालय ले गया। उसी दौरान रूपेश बाथरूम जाने का बहाना बनाकर फरार हो गया। उसका फोन भी बंद आता रहा। तब अनिकेत ने अनुराग को कॉल लगाया कि हमने खाना खा लिया है लेने आ जाओ। अनुराग ने कहा 10 मिनट में आ रहा हूं, लेकिन वो नहीं आया। उसने अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। फोटोग्राफर की टीम होटल पहुंची तो वहां कमरे में रखा उनका सामान नहीं था। होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे चैक कराए तो फुटेज में अनुराग कर्मा और साथी कमरे में रखा फोटोग्राफी टीम का सामान कार से ले जाते नजर आए। पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच की।

नाबालिग है मास्टर माइंड

जांच में सीडीआर और मुखबिर की सूचना के आधार पर चार जून को एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को सिलवानी जिला रायसेन से हिरासत में लिया गया। आरोपियों ने उक्त वारदात को अंजाम देना कुबूल कर लिया। बालिग आरोपियों के नाम राजाराम ठाकुर (20), अभयराम उईके (26) व भगवत ठाकुर (24) तीनों निवासी ग्राम धनगांव थाना सिलवानी जिला रायसेन, बताए गए हैं। इनमें से नाबालिग आरोपी मास्टर माइंड हैं। दरअसल आल अपचारी और आरोपी अभयराम उईके भी फोटोग्राफी का काम करते हैं। लेकिन उसके बाद खुद का सामान नहीं है बल्कि किराए पर सामान लेकर काम करते थे। काम करने से मिला काफी पैसा उपकरणों का किराया अदा करने में चला जाता था। इसलिए आरोपियों ने ठगी की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई ताकि उनका खुद का फोटोग्राफी का सामान हो जाए।

अशोका गार्डन में भी थी वारदात

पूछताछ में आरोपियों ने इसी प्रकार की वारदात अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में भी अंजाम देना कुबूल किया है। इस संबंध में अशोका गार्डन पुलिस को सूचना दी गई । अशोका गार्डन पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की और उनके क्षेत्र में की गई वारदात का तीन लाख रुपए का मशरूका बरामद किया। अशोका गार्डन क्षेत्र में भी आरोपियों ने इसी साल इसी तर्ज पर वारदात को अंजाम दिया था।

दर्दनाक दुर्घटना : ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत, साथी गंभीर

बकरा बेचने बैरसिया आ रहे थे, कुचले जाने से बकरे की भी मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम सपौआ के पास तेज रफ्तार ट्रक की मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों बकरा बेचने अर्रावती से बैरसिया आ रहे थे। ट्रक की चपेट में आने से बकरे की भी मौके पर मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक ग्राम अर्रावती बैरसिया निवासी राधेश्याम भिलाला (28) ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि विगत पांच जून की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह गांव में रहने वाले अपने साथी राजेश नाथ पुत्र मोहर सिंह (25) के साथ उसकी मोटरसाइकिल से बकरा लेकर बेचने के लिए बैरसिया आ रहे थे। मोटरसाइकिल राजेश चला रहा था। जैसे ही वे लोग ग्राम सपौआ से थोड़ा आगे पहुंचे, तभी सामने आ रहे तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों मोटरसाइकिल से नीचे गिर गए। हादसा इतना

भीषण था कि ट्रक की चपेट में आने से बकरे की मौके पर मौत हो गई जबकि दोनों हाथ के पंजे व दाहिने पैर के घुटने में चोट लगने से राधेश्याम और कमर, पैर व हाथ में चोट लगने से राजेश नाथ गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को बैरसिया से इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया था। इलाज के दौरान राजेश नाथ की मौत हो गई। राधेश्याम भिलाला की हालत भी नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि घायल राधेश्याम ने ट्रक का नंबर देख लिया था। हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रक लेकर फरार हो गया था। नंबर के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है।

दिन में सूने मकानों और दुकानों की रैकी कर करते थे वारदात

पुलिस एक्शन, अंतरराज्यीय गिरोह के दो नकबजन गुजरात से गिरफ्तार

थाना बागसेवनिया, मिसरोद, और सतलापुर सहित मंडीदीप में स्वीकारी आधा दर्जन नकबजनी की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद पुलिस ने अंतरर्राज्यीय नकबजन गिरोह के दो सदस्यों को गुजरात से गिरफ्तार कर उनसे आधा दर्जन नकबजनी की वारदातों का खुलासा किया है। आरोपियों ने बागसेवनिया, मिसरोद, और सतलापुर सहित मंडीदीप में स्वकीरी आधा दर्जन नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार गुलशन पटेल निवासी एसबीआई बैंक के सामने चिकलौद रोड, बंगरसिया में रहते हैं और बंगरसिया मार्केट में प्रांजल हार्डवेयर की दुकान है। गत 04 जून की शाम वे दुकान बंदकर घर चले गए। अगले ही दिन 5 जून को वह दुकान पहुंचे तो दुकान के शटर का बीच का हिस्सा मुड़ा हुआ नजर आया। शटर नीचे

से 3-4 फीट उठा हुआ था दुकान में जाकर देखने पर पता चला कि दुकान के गल्ले का लॉक टूटा हुआ था और सामान बिखरा था। इसके अलावा उनकी दुकान के आसपास भी दो तीन दुकानों के शटर टूटे थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच की। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे फुटेज देखे और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। इस दौरान मुखबिरों से पता चला कि जिन्होंने वारदात को अंजाम दिया है वह चोरी के बाद खेतो से होते हुए दीपड़ी गांव से कलियासोत नदी की तरफ गए है। पुलिस की टीम ने कलियासोत नदी के किनारे सर्चिंग की तो दो संदिग्ध पेड़ के नीचे नजर आए। उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपने नाम अलिया डामोर पिता कसना डामोर (29) कदुआ थाना धानपुर जिला दाहोद गुजरात, शंकर मिनामा पिता सन्या मिनामा (35) ग्राम बिल्या, थाना धानपुर जिला दाहोद गुजरात बताया। आरोपियों ने नकबजनी की वारदात स्वीकार ली। उनसे सात हजार रुपए की नगदी बरामद की है।

मां से सोने का कहकर कमरे में गए बेटे ने लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भानपुर मल्टी में गुरुवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार रवि लोधी पिता मंगल सिंह लोधी (25) भानपुर मल्टी में अपने छोटे भाई और मां के साथ रहता था। वह बिजली फिटिंग का काम करता था। उसके भाई रवि ने बताया कि वह प्राइवेट काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि वह काम पर गया था। सुबह 11 बजे घर में उसका मझला भाई रवि लोधी और मां राम प्यारी बाई अकेली थी। सुबह 11 बजे भाई ने मां से कहा कि वह कमरे में सोने जा रहा है। इसके बाद कमरे में चला गया। करीब साड़े 11 बजे मां उसे देखने कमरे में पहुंची तो दरवाजा लटका हुआ था, जबकि पंखे पर रवि ने रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। उनकी चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंच गए। इधर सूचना मिलते हीपुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। इधर निशातपुरा इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा हैए जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय ओमप्रकाश मेहर पिता श्यामलाल मेहर कृषक नगर करोंद में रहता था और निजी काम करता था। बुधवार को उसने पत्नी व आठ महीने के बच्चे को मायके में छोड़ा। इसके बाद घर आ गया। रात में अमहदपुर सीहोर में रहने वाली मां से फोन पर बात की। गुरुवार सुबह 10 बजे मां ने उसे कॉल कियाए तो उसने फोन रिसीव नहीं किया। मकान मालिक को बोलकर घर भेजा। मकान मालिक ने खिडकी से झांककर देखा तो अंदर ओमप्रकाश फांसी के फंदे पर झूल रहा था।

मेपकास्ट: प्रदेश में 35 सहयोगी संस्थाओं के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

बच्चों ने बनाए मिट्टी के इकोफ्रेंडली उत्पाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (मेपकास्ट) में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन परिषद् के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी जी के प्रेरणादायक वक्तव्य के साथ हुआ। अपने संबोधन में, डॉ. कोठारी ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों को घर के अंदर और बाहर, पर्यावरण की रक्षा के लिए पांच संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण को कैसे बचा सकते हैं की थीम पर आधारित एक पेंटिंग प्रतियोगिता के साथ हुई, जिसमें कुल 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दर्शाया। इसके पश्चात, ग्लोबल वार्मिंग और अभिनव पर्यावरण संरक्षण के उपाय विषय पर एक व्यावहारिक कार्यशाला (हैंड्स-ऑन वर्कशॉप) आयोजित की गई, जिसकी विशेषज्ञ मिस नीलू थीं। इस कार्यशाला में बच्चों ने विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से यह जाना कि कैसे उनके छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यशाला के दौरान, समुद्र में अम्ल की बढ़ती मात्रा के प्रभावों को समझाने के लिए एक रोचक प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। इसमें एक अंडे और सिरके का उपयोग करके यह बताया गया कि कैसे सिरका अंडे की कैल्शियम परत को घोल देता है, ठीक उसी तरह जैसे समुद्र में अम्ल की मात्रा बढ़ने पर हमारी समुद्री जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, तथा मिट्टी से पॉटरी बनाने की कार्यशाला का भी आयोजन हुआ जिसकी विधि बच्चों को पॉटरी विशेषज्ञ अशोक भारद्वाज ने सिखाई।

मेट्रो एंकर झपटमारी के बाद बस से कूदकर भाग रहा था बदमाश, पीछा करने पर किया हमला

सिटी बस में सफर कर रहे यात्री का मोबाइल झपटा, विरोध करने पर चाकू से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित हमीदिया अस्पताल के मुख्य गेट के पास सिटी बस के रुकते ही एक बदमाश ने यात्री का मोबाइल झपट लिया और बस से कूदकर दौड़ लगा दी। यात्री ने उसका पीछा किया तो बदमाश चाकू से हमला कर फरार हो गया। यात्री के हाथ व कान के पास गंभीर चोट लगी है। पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कुख्यात बदमाश है और जेबकट समेत लूट व अन्य गंभीर वारदातों को अंजाम दे चुका है। उसके खिलाफ 30 प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी के कब्जे से लूटे मोबाइल समेत कुल 7 मोबाइल जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि फरियादी रामभरोसे भार्गव विगत चार जून को भोपाल रेलवे

स्टेशन से लाल बस में सवार होकर लालघाटी जा रहे थे। जैसे ही बस हमीदिया अस्पताल के मेनगेट के पास रुकी, तभी एक बदमाश ने उनकी शर्ट की जेब में रखा मोबाइल जबरन छीन लिया। रामभरोसे ने विरोध किया तो बदमाश ने धक्का मारकर गिरा दिया और चलती बस से कूद गया। फरियादी भी अपना मोबाइल लेने के लिए बस से उतर गया। फरियादी को पीछे आता देख बदमाश ने छुरी से हमला कर दिया। धारदार हथियार का वार रामभरोसे के दाहिने हाथ की हथेली और बाएं कान में लगा, जिससे वह लहूलुहान हो गए। बदमाश मोबाइल लूटकर भाग निकला। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर कर दी। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास पूछताछ और फरियादी के बताए हुलिए के आधार पर मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदेही नसीम ब्रेकर उर्फ जेबकट (25) निवासी मदर इंडिया कॉलोनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने उक्त लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार लिया। पुलिस ने आरोपी लूटा गया मोबाइल व एक छुरी समेत 6 अन्य मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी शहर का कुख्यात बदमाश है।

कार्यालय कृषि यंत्री कृषि अभियांत्रिकी संभाग भोपाल
ग्राम बडबाई नई जेल रोड भोपाल पिन कोड 462038
(Tel-0755-2736200 email- aebhopalmp@gmail.com)
निविदा क्रमांक /के.व्ही.के./2025-26/404 भोपाल, दिनांक 3/6/25
शुद्धिपत्र (CORRIGENDUM-I)
कार्यालय कृषि यंत्री, कृषि अभियांत्रिकी संभाग-भोपाल कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र बडवाई भोपाल हेतु निविदा संख्या क्रमांक 07 अंतर्गत मेस कार्य हेतु वर्ष 2025-2026 में विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों में वर्णित निविदा जमा करने अन्तिम तिथी दिनांक 05.06.2025 को बढ़ाकर दिनांक 12.06.2025 को साय 05:00 बजे तक कर दिया गया हैतथा निविदा खोलने की तिथी दिनांक 06.06.2025 से बढ़ाकर दिनांक 13.06.2025 की जाती है। कार्य तथा संस्थाओं की पात्रता का पूर्ण विवरण संबंधित निविदा प्रपत्र संशोधित तिथी तक कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।
"पॉवरसो हैं सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार" कृषि यंत्री कृषि
G-13917/25 अभियांत्रिकी संभाग भोपाल

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022